नई दिल्ली
रविवार, 30 जून 2024
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,
नवमी वर्ष : 28, अंक : 80
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 29
न्यून. 26

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बरसाना में राधा रानी मंदिर पहुंचे

प्रदीप मिश्रा ने दंडवत होकर मांगी माफी

बरसाना। राधा रानी पर विवादित टिप्पणी करने के बाद पंडित प्रदीप मिश्रा ने शनिवार को नाक रगड़कर माफी मांगी है। पंडित प्रदीप मिश्रा शनिवार को बरसाना पहुंचे थे। यहां उन्होंने राधा रानी के मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। इसके बाद वह राधा रानी के मंदिर में दंडवत हो गए। पंडित प्रदीप मिश्रा को मिल रही लगातार धमकियों के कारण राधारानी मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। माफी मांगने के बाद उन्होंने कहा कि मैं ब्रजवासियों के प्रेम के कारण यहां पहुंचा हूं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- मेरी वाणी से किसी को ▸▸शेष पेज 7 पर

वर्ल्डकप जीतते ही कोहली का संन्यास

वर्ल्डकप जीतते ही विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। कोहली ने कहा, अब अगली पीढ़ी के लिए कमान संभालने का समय।

भारत 17 साल बाद फिर टी-20 वर्ल्ड चैंपियन

द. अफ्रीका को 7 रन से हरा खिताब कब्जाया

ब्रिजटाउन (भाषा)। भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में 7 रन से हराकर टी-20 विश्व कप जीत लिया। रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिखाया, जिसका 17 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी, लेकिन, गेंदबाजों को यह मंजूर नहीं था। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन पर ही समेट दिया। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप खिताब कब्जाया है। इससे पहले भारत ने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। इसी के साथ भारतीय टीम ने आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। *(खेल पेज भी देखें)*

विराट प्लेयर ऑफ द मैच
बुमराह प्लेयर ऑफ द सीरीज

ये रहे जीत के हीरो

- विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। अक्षर (31 गेंद में 47 रन) व कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला।
- हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिए। दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। हार्दिक ने तीन विकेट चटकाए।
- जसप्रीत बुमराह ने 18 रन देकर दो विकेट झटके। बुमराह ने अफ्रीकी बल्लेबाजों पर शिकंजा कसे रखा और उन्हें रन नहीं बनाने दिए।

राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने टीम को बधाई दी।

रविवार को कतर की एक दिवसीय यात्रा पर रहेंगे जयशंकर

नई दिल्ली (ब्यूरो)। विदेश मंत्री डॉ. एस.जयशंकर रविवार को कतर की यात्रा करेंगे। जहां उनकी कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी के साथ बातचीत होगी। इसमें द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े हुए व्यापार, निवेश और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भागीदारी को और अधिक विस्तार देने के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय, अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी चर्चा की जाएगी। इस बातचीत में इजरायल-हमास युद्ध की वजह से पश्चिम एशिया खासकर गाजा में बने हुए मौजूदा हालातों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। गौरतलब है कि विदेश मंत्री की यह यात्रा कतर द्वारा आठ पूर्व नौसैन्यकर्मियों की रिहाई के करीब साढ़े चार महीने के बाद हो रही है। जिन्हें कतर ने वर्ष 2022 में गिरफ्तारी के बाद मौत की सजा सुनाई थी।

दिनेश खारा की जगह लेंगे श्रीनिवासुलु शेट्टी

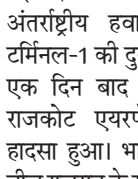

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक को जल्द ही नया चेयरमैन मिल सकता है। केंद्र सरकार की वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो ने बैंक के मौजूदा मैनेजिंग डायरेक्टर चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी के नाम की सिफारिश नए चेयरमैन के रूप में की है। शेट्टी के नाम का सुझाव एफएसआईबी द्वारा दे दिया गया है। स्टेट बैंक के मौजूदा चेयरमैन दिनेश खारा 28 अगस्त को रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में इससे पहले बैंक के नए चेयरमैन की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

आईजीआई के बाद राजकोट एयरपोर्ट पर हादसा, टर्मिनल पर गिरा शेड

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की दुखद घटना के एक दिन बाद शनिवार को राजकोट एयरपोर्ट पर भी हादसा हुआ। भारी बारिश के बीच गुजरात के राजकोट हवाई अड्डे के बाहर यात्री पिकअप और ड्रॉप क्षेत्र में एक शेड गिर गया। हालांकि अच्छी बात ये रही कि ▸▸शेष पेज 7 पर

वसंत विहार में टीन शेड के नीचे दबे मजदूरों के शव निकाले गए बाहर

समयपुर बादली : दो बच्चों की बरसाती पानी में डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

बरसाती पानी लगातार दिल्ली में लोगों की जान ले रहा है। शुक्रवार से शनिवार तक नौ लोगों की जान बारिश की वजह से जा चुकी है। शनिवार को समयपुर बादली में बरसाती पानी से दो बच्चों के शव निकाले गये। वहीं ओखला अंडरपास में भरे पानी में भी डूबने से एक शख्स की जान चली गई। शुक्रवार को वसंत विहार टीन शेड के नीचे दबे तीन मजदूरों के शव शनिवार को 24 घंटे से ज्यादा समय बाद बाहर निकाले गये।

पुलिस के अनुसार शनिवार को सिरसपुर अंडरपास में जमा पानी में नौ साल के दो बच्चों की लाश बरामद हुई। दोनों बच्चे पानी में नहाने घुसे थे। बच्चों की मौत पानी में डूबने से हुई या करंट से इन बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार पुलिस कर रही है। रिपोर्ट से मौत का वास्तविक कारण सामने आएगा। मरने वाले बच्चों में एक की पहचान गोपाल (9) के तौर पर हुई। दूसरे बच्चे की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक इस मामले की सूचना शनिवार दोपहर 2 बजकर 25 मिनट पर मिली। पुलिस सिरसपुर अंडरपास के पास पहुंची। कॉल एक बच्चे की मां द्वारा ही की गई थी। दमकल कर्मी भी मौके पर पहुंचे। मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट के पास अंडरपास में करीब ढाई से तीन फीट पानी भरा हुआ था। दमकल कर्मियों ने पानी में घुसकर तलाशी अभियान चलाया, जहां दोनों लड़के अचेत हालत में मिले। इन्हें फौरन बाहर निकाल बाबू जगजीवन राम हॉस्पिटल भेजा गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। यह घटना सामने आने के बाद पुलिस ने अंडरपास को ट्रैफिक के लिए बंद करवा दिया। प्रथम दृष्टया पुलिस को लगता है कि ये दोनों लड़के अंडरपास में जमा पानी में नहाने गए होगें, जहां डूबने से उनकी मौत हो गई। अब पुलिस यह भी पता लगा रही है कि कहीं पानी में करंट तो नहीं था। वहीं वसंत विहार में शुक्रवार को निर्माणाधीन बिल्डिंग का बेसमेंट व टीन शेड ढहने से लापता हुये तीन मजदूरों के शव शनिवार को बाहर निकाले गये। तीनों की मौत हो चुकी थी। जलभराव होने के कारण एनडीआरएफ व दमकल की टीम शुक्रवार को शवों को ढूंढ नहीं पाई थी। शनिवार को टीम ने तीनों के शव बरामद किए। मरने वालों में दो के नाम संतोष और तीसरे का दयाराम है।

ओखला अंडरपास के पानी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

ओखला औद्योगिक क्षेत्र के अंडरपास में भी जलभराव के कारण शनिवार को एक बुजुर्ग शख्स की डूबने से मौत हो गई। शुक्रवार तड़के वह स्कूटी के साथ अचेत हालत में मिला। पानी से बाहर निकाल एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान दिग्विजय कुमार चौधरी (60) के तौर पर हुई। वह जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट टू के रहने वाले थे। आशंका जताई जा रही है कि बुजुर्ग घटना के समय स्कूटी पर सवार था और वह अंडरपास में जमा पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाये।

बच्चों के परिवारों से सांसद ने की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने उत्तर पश्चिम दिल्ली के सिरसपुर अंडरपास में फंसकर करंट लगने से 2 बच्चों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। चंदोलिया ने बाबू जगजीवन राम अस्पताल में एक बच्चे के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और दिल्ली भाजपा की ओर से संवेदनाएं व्यक्त की। साथ ही उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। दूसरे बच्चे की अभी पहचान नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि जब मंत्रियों को लोगों के लिए काम करना चाहिए, वे अपने जेल में बंद मुख्यमंत्री का समर्थन करने के लिए ब्यान देने में व्यस्त हैं। सांसद चंदोलिया ने शनिवार को सवाल उठाया कि जब दिल्ली वालों को पिछले दशक की सबसे भयंकर बारिश का सामना करना पड़ा, तब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद, प्रमुख मंत्री, विधायक और पार्षद कहां थे।

राजधानी के कई हिस्सों में बारिश...

यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 मेट्रो स्टेशन के सभी प्रवेश द्वार खुले

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को भारी बारिश के चलते बंद किए गए यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 मेट्रो स्टेशन के सभी प्रवेश द्वार शनिवार को खोल दिए गए। इस बारे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने बताया कि दिल्ली में भारी बारिश के बाद सुरक्षा के लिहाज से यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 मेट्रो स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार को शुक्रवार को बंद कर दिए थे। वही एरोसिटी स्टेशन से दिल्ली हवाई अड्डा के टर्मिनल - 1 तक शटल सेवा भी निलंबित कर दी गई थी। डीएमआरसी ने शनिवार सुबह अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर यात्रियों को जानकारी दी कि यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 मेट्रो स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार यात्रियों के लिए खोल दिये गए हैं। बता दें कि शुक्रवार को मानसून के आगमन के साथ ही दिल्ली में 1936 के बाद से जून माह में अब तक की सर्वाधिक बारिश हुई दर्ज हुई।

बारिश : मेट्रो ने एक दिन में सबसे ज्यादा 69 लाख यात्रियों को पहुंचाया गंतव्य तक

नई दिल्ली। दिल्ली की नई लाइफ लाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो रेल ने एक दिन में अब तक सबसे अधिक 69 लाख से ज्यादा यात्रियों को ढोने का नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। इस बारे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने बताया कि शुक्रवार 28 जून 2024 को दिल्ली मेट्रो ने 69,36,425 यात्रियों को यात्रा करवाई। डीएमआरसी ने कहा कि दिल्ली में भारी बारिश के बावजूद मेट्रो परिचालन पूरी तरह से 99.95 प्रतिशत समय की पाबंदी के साथ चलता रहा। डीएमआरसी का कहना है कि इससे एक दिन पहले यानी गुरुवार 27 जून 2024 को कुल 62,58,072 लोगों को यात्रा करवाई थी। बता दें कि दिल्ली में भारी जलभराव के चलते शुक्रवार को राजधानी की सड़कों पर लंबा लंबा जाम लग गया। लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में मिनटों की जगह घंटो लग गए थे। बावजूद इसके दिल्ली मेट्रो ने रिकॉर्ड यात्रियों को यात्रा करवाई।

जलभराव के दूसरे दिन सड़क पर उतरे एलजी, भरे नाले देख हुए नाराज

नई दिल्ली। रिकॉर्ड तोड़ बारिश से जलभराव से कराह उठी दिल्ली को राहत देने के लिए दूसरे दिन शनिवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना खुद सड़कों पर उतर गए। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा व सांसद बांसुरी स्वराज के अलावा अलग अलग विभागों के आला अधिकारी मौजूद थे। एलजी ने तैमूर नगर, बारापुला नाला, आईटीपीओ, तिलक ब्रिज, कुशक नाला और गोल्फ लिंक्स के नालों और अन्य क्षेत्रों का दौरा करते हुए पाया कि यहां नालों में गाद भरी पड़ी है। जिसके चलते बीते दिन भारी जलजमाव से बुरी तरह लोग प्रभावित हुए थे। सूत्रों के अनुसार एलजी ने नालों की बुरी हालत देखकर अधिकारियों से पूछा कि अब तक इनमें से गाद क्यों नहीं निकाली गई। उन्होंने घोर आश्चर्य जताया कि दिल्ली सरकार के मंत्री व महापौर कहते रहे कि सभी नालों से गाद निकाल दी गई है। जबकि वास्तविकता में हालात बद से बदतर हो चुके है। सूत्रों का कहना है कि एलजी ने बिना नाम लिए केजरीवाल सरकार के मंत्रियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जून के मध्य तक सभी नाले साफ करने का दावा करने वालों को अपनी कार्यशैली सही करनी चाहिए। मौके पर मौजूद अधिकारियों को एलजी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि युद्ध स्तर पर नालों से गाद निकालने और नालों के साथ सभी कचरा, मलबा और कीचड़, गाद को जल्द से जल्द हटाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे शहर के लिए एक ठोस जल निकासी योजना तैयार करें, न कि केवल तदर्थ व्यवस्था करें।

खबर संक्षेप

संगम विहार: नौकर ने लगाई घर में सेंध, धरा

नई दिल्ली। सफदरजंग एंक्लेव में 15 दिन पहले काम पर रखे गए एक नौकर ने मालिक के घर सेंध लगा दी। वह कैश और ज्वेलरी लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी को संगम विहार इलाके से अरेस्ट कर लिया है। इसके पास से 17 हजार रुपए और लगभग 12 लाख कीमत की ज्वेलरी बरामद हुई है। आरोपी का नाम वीर यादव है। वह कानपुर का रहने वाला है। डीसीपी साउथ वेस्ट रोहित मीना के अनुसार 16 जून को सफदरजंग एंक्लेव निवासी पीयूष अरोड़ा नामक शख्स ने शिकायत दी कि 15 दिन पहले काम पर रखा गया नौकर गायब है। घर से 17 हजार रुपए और लगभग 15 लाख कीमत की ज्वेलरी भी गायब है। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। सफदरजंग एंक्लेव सब डिवीजन के एसीपी रणबीर सिंह की टीम ने जांच के दौरान नौकर के मोबाइल नंबर को सर्विलांस पर लगाया था। आखिर में आरोपी को संगम विहार एरिया से दबोच लिया गया।

फ्रेंचाइजी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले दो दबोचे

नई दिल्ली। शाहदरा पुलिस ने ई कार्ट की फ्रेंचाइजी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले दो धोखेबाज युवकों को पकड़ा गया है। इनके नाम हरिओम (26) व विभव कुमार गौरव (24) है। दोनों नोएडा व गाजियाबाद के रहने वाले हैं। इनके पास से तीन मोबाइल, छह सिमकार्ड, दो डेबिट कार्ड और एक पासबुक बरामद की गई है। इनके तीसरे साथी की तलाश की जा रही है। डीसीपी शाहदरा सुरेन्द्र चौधरी ने बताया पीड़ित के वाट्सएप नंबर पर किसी अनजान नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने उन्हें ई-कॉमर्स वेबसाइट के जरिए बेचा जाने वाला सामान डिलीवर करने वाली कंपनी ई-कार्ट की फ्रेंचाइजी दिलाने का ऑफर दिया। उन्हें अच्छा काम चलने का झांसा दिया और फिर उनसे विभिन्न मदों में 3.40 लाख रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद जालसाज ने उनसे दूरियां बना ली। पीड़ित को फ्रेचाइजी मिलना तो दूर रकम भी वापस नहीं मिली। इस बाबत मिली शिकायत पर साइबर सेल शाहदरा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

कार में दोस्तों को बैठाकर निकला नाबालिग, पांच को मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

गीता कॉलोनी थाने के नजदीक पिता की कार लेकर निकले एक नाबालिग लड़के ने महिला सफाईकर्मी समेत पांच लोगों को अस्पताल पहुंचा दिया। उसके साथ कार में दो दोस्त भी सवार थे। शनिवार सुबह हुये इस हादसे के बाद पुलिस ने कार जब्त कर ली है। पुलिस नाबालिग के पिता के खिलाफ भी कार्रवाई करने की बात कह रही है। हादसे की चपेट में आये पांच लोगों में एक रेहड़ी वाला, एक महिला सफाईकर्मी और तीन राहगीर है।

पुलिस के मुताबिक शनिवार सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर पर इस एक्सीडेंट की सूचना मिली थी। जांच के दौरान पुलिस को पता लगा 16 साल का लड़का जगतपुरी के साउथ अनारकली एरिया में रहता है। वह घर से पिता की बलेनो कार लेकर निकला। उसके दो दोस्त भी साथ थे। इन तीनों ने कृष्णा नगर एरिया में एक जगह पर छोले भटूरे खाये। वहां से तीनों कार लेकर कड़कड़डूमा कोर्ट पार्किंग लौट रहे थे, तभी रास्ते में नाबालिग ने कार से अंसतुलन खो दिया और पांच लोगों को टक्कर मार दी। यह हादसा गीता कॉलोनी थाने के नजदीक हुई। पुलिस का कहना है किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। मामले को लेकर लापरवाही से वाहन चलाने का मुकदमा दर्ज किया गया है।

मूवी से प्रभावित बदमाशों की जोड़ी गिरफ्तार

नई दिल्ली। बॉलीवुड मूवी अंदाज अपना अपना से प्रभावित होकर लूट और चोरी की वारदात करने वाले एक बदमाश को उसके सहयोगी के साथ पकड़ा गया है। एसएक्स 4 गैंग के नाम से फेमस हो चुकी इस जोड़ी ने दिल्ली एनसीआर में पुलिस की नाक में दम कर रखा था। आरोपियों के नाम बदायूं, यूपी निवासी राजवीर चौहान (29) व एटा, यूपी निवासी शैलेन्द्र (22) बताये गये हैं। लगभग एक हजार सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में एसएक्स 4 और बेजा कार सवार बदमाश लगातार वारदात कर रहे थे। इनके बारे में इनपुट मिला था कि बदमाश हर वारदात के समय कार की नंबर प्लेट बदल देते हैं। छह मोबाइल टावर के डंप डाटा का विश्लेषण करने के बाद कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबरों पर नजर रखी गई। सीसीटीवी कैमरे से भी आरोपियों का सुराग मिला और दोनों बदमाशों को दबोच लिया गया। आरोपी नोएडा से दिल्ली आकर वारदात करते थे। इनके पास से वारदात में इस्तेमाल एसएक्स 4 कार भी जब्त की गई है। आरोपी राजवीर ने बताया वे दिल्ली आकर पहले दिन में रेकी करते थे। इसके बाद रात को चोरी करते थे। लूट के माल का 60 फीसदी हिस्सा वह खुद रखता था।

दंपति बच्चों को कार में छोड़ ले रहे थे मिठाई

दिल्ली पुलिस ने तीन घंटे तक कार का पीछा कर अगवा भाई-बहन को बचाया

हरिभूमि न्यूज ⏭नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में विकास मार्ग से कार में बैठे भाई बहन को उनकी ही कार में अगवा कर लिया गया। घटना के समय बच्चों के माता पिता मिठाई खरीदने के लिए दुकान में गए थे। इसके बाद बच्चों को छोड़ने के एवज में परिजनों से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई।

एक्शन में आई पुलिस किडनैपर्स के पीछे लगी तो समयपुर बादली इलाके में बदमाश बच्चों को छोड़ फरार हो गए। डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को 11 बजकर 40 मिनट पर शकरपुर थाने को एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें बताया गया कि 11 साल की लड़की और 3 साल के उसके भाई को कार समेत अगवा कर लिया गया है। यह घटना उस वक्त हुई जब दोनों भाई बहन अपनी पिता की कार में इंजन ऑन मोड में बैठे थे। विकास मार्ग स्थित हीरा स्वीट्स पर उनके माता पिता मिठाई खरीदने के लिए गए थे। वे वापस लौटे तो उन्हें न कार मिली और ना ही उनके बच्चे। इसके बाद बच्चों को छोड़ने के एवज में उनके पास 50 लाख की फिरौती कॉल आई। कॉल भी बच्चों की मां के फोन से की गई थी। उस वक्त फोन बच्चों के ही पास था। भाई बहन के किडनैपिंग की सूचना से पुलिस एक्टिव हो गई। लक्ष्मी नगर और शकरपुर थाने की पुलिस के अलावा स्पेशल स्टाफ की टीम को भी केस की जांच में शामिल किया गया। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण करने के बाद पुलिस की जांच मोबाइल सर्विलांस पर केंद्रित हुई। किडनैपर्स की लोकेशन ट्रेस की गई। लगभग 20 गाड़ियों में सवार पुलिसकर्मी बच्चों की खोजबीन और बदमाशों के पीछे लगे रहे। पुलिस का दबाव और पकड़े जाने के डर से बदमाश बच्चों को समयपुर बादली एरिया में कार समेत छोड़ फरार हो गए। महज तीन घंटे में ही पुलिस टीम बच्चों तक पहुंच गई। पुलिस को संदेह था कि किडनैपर्स बच्चों को दिल्ली से बाहर न ले जाएं, इस बात को ध्यान में रख अन्य जिलों की पुलिस और रेलवे पुलिस को भी सूचना दे दी गई थी। पुलिस किडनैपर्स की तलाश में लगी है।

आप नेताओं ने कहा, बंद हो सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग और केजरीवाल को किया जाए रिहा

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर आप ने किया भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को भाजपा मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में आप सरकार के मंत्री, विधायक, पार्षद और पदाधिकारियों के अलावा सैंकड़ों कार्यकर्ता पहले पार्टी मुख्यालय पर एकत्र हुए। बीमार होने के बावजूद कैबिनेट मंत्री आतिशी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। यहां से वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारे लिखे पोस्टर-बैनर लिए भाजपा मुख्यालय की तरफ कूच किए तो दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया। इसके विरोध में वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अरविंद केजरीवाल को जल्द रिहा करने की मांग की।

आप के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी के इस देशव्यापी प्रदर्शन के पीछे का मकसद यह बताना था कि देश संविधान से चलेगा, तानाशाही से नहीं। देश में सबसे बेहतर काम करने वाले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठे केस में भाजपा की केंद्र सरकार ने जेल में डाल रखा है।

अब तो कोर्ट भी कह चुका है कि सीएम केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। वह जमानत पर जेल से बाहर आ रहे थे, तभी केंद्र सरकार ने सीबीआई से सीएम केजरीवाल की सीबीआई से गिरफ्तारी करा दी। देश की जनता सब देख रही है आने वाले दिल्ली के चुनाव में जनता भाजपा का सुपड़ा साफ कर जवाब देगी। वहीं आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने देश की राजनीति को एक नई दिशा दी है। उन्होंने पूरे देश को बताया कि जब तक एक आम इंसान की बिजली, पानी, शिक्षा, और स्वास्थ्य की जरूरतें पूरी नहीं होंगी, तब तक हम अपने देश को उन्नत देश नहीं कह सकते हैं। आज जब पूरा देश उस मिसाल पर चलना चाहता है, तो भाजपा वाले डर गए हैं कि अगर लोग इस रास्ते पर चलने लगे तो उनका और भाजपा का क्या होगा? भाजपा चाहे जितनी साजिश कर ले, लेकिन जनता के लिए शुरू किए गए केजरीवाल के काम रुकने वाले नहीं हैं।

आबकारी घोटाला : दिल्ली की अदालत ने केजरीवाल को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में शनिवार को यहां की एक अदालत ने 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। केजरीवाल को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तीन दिन की हिरासत में पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया। सीबीआई ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का अनुरोध करते हुए कहा कि जांच और न्याय के हित में उनकी हिरासत जरूरी है। याचिका मंजूर करते हुए विशेष न्यायाधीश सुनयना शर्मा ने कहा कि केजरीवाल को 12 जुलाई को अदालत में पेश किया जाए। अदालत के विस्तृत आदेश का इंतजार है। केजरीवाल को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में अनियमितताओं के सिलसिले में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को केजरीवाल को धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को निचली अदालत से जमानत मिल गई थी, जिस पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

देश के अन्य राज्यों में भी हुआ प्रदर्शन

आम आदमी पार्टी के घोषित कार्यक्रम के तहत दिल्ली के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात समेत देश के 21 राज्यों में आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किया। पंजाब में आप के सांसदों, मंत्रियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़, संगरूर, जलंधर समेत कई जगहों पर सड़कों पर उतर कर भाजपा सरकार की तानाशाही के खिलाफ नारेबारी की। केजरीवाल के समर्थन में बड़ी संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतरी और उनकी रिहाई की मांग की। वहीं उत्तर प्रदेश में आप के कार्यकर्ता पहले पार्टी कार्यालय पर एकत्र हुए। इसके बाद वो भाजपा कार्यालय की तरफ कूच किए। वहीं आप कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए सुबह से ही पार्टी कार्यालय के बाहर भारी तादात में पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। कार्यालय के चारों तरफ बैरीकेडिंग करके पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया था ताकि कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय तक न पहुंच सके। इसके अलावा गुजरात, मुंबई, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों में भी आप के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

भाजपा ने साजिश कर केजरीवाल को जेल में रखा है, जनता नहीं करेगी माफ : इमरान

कैबिनेट मंत्री इमरान हुसैन ने कहा कि भाजपा ने साजिश कर केजरीवाल को जेल में रखा है, जनता उसे माफ नहीं करेगी। इमरान ने कहा कि भाजपा अरविंद केजरीवाल के कामों से मुकाबला नहीं कर सकती, इसलिए उन्होंने षड़यंत्र करके केजरीवाल को जेल में डाल दिया। अगर भाजपा में हिम्मत है तो अरविंद केजरीवाल के कामों से मुकाबला करें, ईडी और सीबीआई का सहारा न लें। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 400 पार का नारा दिया था लेकिन देश की जनता ने उनको 240 पर पहुंचा दिया। अगर यह तानाशाही जारी रही तो वह दिन दूर नहीं है जब जनता उन्हें जीरो पर पहुंचा देगी।

केजरीवाल के कामों को देखकर उनसे नफरत करती है भाजपा : राय

आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि भाजपा अरविंद केजरीवाल के कामों को देखकर उनसे नफरत करती है। इसलिए उन्हें जेल से बाहर नहीं आने दे रही है। राय ने कहा कि दिल्ली देश का पहला राज्य है, जहां सरकारी अस्पतालों-मोहल्ला क्लीनिकों में फ्री जांच और दवाइयां मिलती है। इन्हीं कामों से नफरत कर आप को खत्म करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री को उठाकर जेल में डालवा दिया। राय ने कहा कि भाजपा ने सीबीआई से केजरीवाल को इसलिए गिरफ्तार कराया, ताकि वो बाहर न आ सकें।

आप ने भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन का किया आह्वान, पुलिस ने कहा, अनुमति नहीं

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के शनिवार को भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन के आह्वान के बीच दिल्ली पुलिस ने कहा कि आप ने प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं ली है। आप ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ पूर्वाह्न 11:30 बजे यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय का घेराव करने का आह्वान किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को रोकने की व्यवस्था की जा रही है क्योंकि मध्य दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय पर किसी भी विरोध-प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई है। अधिकारी ने कहा कि अवरोधक लगा दिए गए हैं और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों को वहां तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा सकता है क्योंकि डीडीयू मार्ग पर पहले से ही धारा 144 लगा दी गई है। अधिकारी ने कहा कि मार्ग को अभी बंद किया जाना बाकी है। आप ने कहा कि उसके राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झूठे मामले में गिरफ्तार किया है।

केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के फैसले का भाजपा ने किया स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के फैसले का स्वागत किया है और उन्होंने कहा कि सीबीआई का स्पष्ट आरोप है कि केजरीवाल ने पूछताछ में सहयोग नहीं किया है। सचदेवा ने शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के फैसले पर कहा है कि कानून अपना काम कर रहा है और जांच एजेंसी जो साक्ष्य रख रही है, उसी आधार पर न्यायालय अपना फैसला दे रहा है। यह बात अब स्पष्ट है कि शराब नीति के जरीए करोड़ों रुपये के घोटाले किए गए हैं। सचदेवा ने कहा कि पूछताछ के दौरान अरविंद केजरीवाल सीबीआई द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं क्योंकि वह जानते हैं कि सीबीआई का उनके खिलाफ मजबूत केस है और उनको सजा होना निश्चित है। उन्होंने कहा कि आखिर उन्होंने क्यों नहीं बताया कि विजय नायर के साथ उनका क्या संबंध है, आखिर शराब नीति में कमीशन 5 प्रतिशत से 12 प्रतिशत क्यों किया गया, जब कोरोना का दूसरा दौर था और दिल्लीवालों को अस्पतालों में बिस्तर, दवाइयां, गैस सिलेंडर चाहिए थे उस वक्त कौन सी मजबूर थी जो शराब नीति बनाई गई।

प्रदर्शन के लिए मुश्किल से 400 लोगों को जुटा पाई आप : सचदेवा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने शनिवार को फिर एक बार केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ विशाल प्रदर्शन का आह्वान किया, लेकिन उनके सर्वश्रेष्ठ प्रयासों के बावजूद 60 विधायकों वाली पार्टी मुश्किल से 400 लोगों को ही प्रदर्शन के लिए जुटा पाई। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप के प्रदर्शन को लेकर उक्त ब्यान जारी किया। उन्होंने कहा कि हमने बार-बार देखा है कि आप नेताओं में संवैधानिक या न्यायिक अधिकारियों के प्रति कोई सम्मान नहीं है और ईडी के हाईकोर्ट जाने पर आप नेताओं की प्रतिक्रिया को देखकर भी यह स्पष्ट होता है। सचदेवा ने कहा कि भारतीय न्यायिक व्यवस्था के तहत प्रत्येक व्यक्ति या जांच एजेंसी को किसी निचली अदालत के आदेश से असंतुष्ट होने पर उच्च न्यायालय जाने का अधिकार है, लेकिन जिस तरह से आप नेता ईडी के हाईकोर्ट जाने के खिलाफ बोल रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि उन्हें हाईकोर्ट की निष्पक्षता पर कोई भरोसा नहीं है।

जनता को राम भरोसे छोड़कर केजरीवाल की रिहाई में लगी पूरी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। तथाकथित शराब घोटाले में जेल में न्यायिक हिरासत में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने निशाना साधा है। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि भीषण जलभराव व अस्पतालों में बिगड़ चुकी स्वास्थ्य व्यवस्था के बावजूद दिल्ली सरकार राजधानी की जनता को राम भरोसे छोड़कर सीएम केजरीवाल की रिहाई में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि जलभराव के बाद दिल्ली के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा बुरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बावजूद इसके आम आदमी पार्टी और इनकी केजरीवाल सरकार दिल्ली की जनता को राहत देने की जगह शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के भ्रष्टाचार के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिहाई के लिए धरना प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा जनता की परेशानी से निपटने की बजाए एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप की राजनीति करके जनता को धोखा दे रही है। केजरीवाल की जेल से रिहाई की मांग को लेकर भाजपा मुख्यालय पर आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन करना पूरी तरह से बेमानी है। क्योंकि आम आदमी पार्टी और भाजपा भ्रष्टाचार के मामले एक ही सिक्के के दो पहलू है।

भाजपा सरकार ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर बनाया फर्जी केस : सिंह

नई दिल्ली। सीएम केजरीवाल को सीबीआई की कस्टडी के बाद शनिवार को न्यायिक हिरासत भेजे जाने पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पूरी तरह से बेकसूर हैं। भाजपा सरकार ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर उनके खिलाफ फर्जी केस बनाया है। अब एक जुलाई को इंडिया गठबंधन जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ संसद में विरोध प्रदर्शन करेगा। सीबीआई ने कोर्ट में वही पुरानी दलीलें रखी, जो पिछले दो साल से हम सुनते आ रहे हैं, जिसका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं है। केजरीवाल को पीएमएलए में जमानत मिली है। इस केस में किसी को तभी जमानत मिलती है, जब कोर्ट उसके निर्दोष होने पर संतुष्ट होता है।

1100 पेड़ काटने को लेकर मंत्रियों की तीन सदस्यीय समिति गठित

गठित समिति में मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी और इमरान हुसैन शामिल, समिति की रिपोर्ट सरकार रखेगी कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा अवैध रूप से 1100 पेड़ काटने को लेकर दिल्ली सरकार ने सख्त रूख अपनाते हुए शनिवार को सभी मंत्रियों की एक बैठक बुलाई। इस बैठक में मंत्रियों की तीन सदस्यीय एक समिति का गठन किया गया है। जिसकी रिपोर्ट सरकार कोर्ट में पेश करेगी। बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इन पेड़ों को काटने का आदेश किसने दिया,

इसकी सच्चाई पता करने के लिए मंत्रियों की तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी (तथ्यान्वेषी समिति) बनाई गई है। समिति में कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी और इमरान हुसैन शामिल हैं। बिना अनुमति के काटे गए पेड़ों के मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। कोर्ट यह जानना चाहता है कि किसके आदेश पर ये पेड़ काटे गए। यह कमेटी इसकी सच्चाई पता कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसे हम कोर्ट के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि डीडीए के कुछ इंजीनियर्स के ईमेल से पता चला है कि एलजी ने रिज क्षेत्र का दौरा किया था और उनके मौखिक आदेश पर पेड़ काटे गए। इस बारे में हमने वन विभाग को कई बार नोटिस देकर स्टेटस रिपोर्ट मांगी है, लेकिन अभी तक नहीं मिली है। राय ने कहा कि दिल्ली के छतरपुर, सतबड़ी से चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि फरवरी के महीने में डीडीए ने सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए किसी एजेंसी या सरकारी से अनुमति के बिना 1100 पेड़ काट दिए। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है। डीडीए के उपाध्यक्ष से कोर्ट बार-बार यही पूछ रहा है कि राजधानी दिल्ली में किसके आदेश पर 1100 पेड़ अवैध तरीके से काट दिए गए। कोर्ट पूछ रहा है कि क्या यह आदेश एलजी ने दिए थे, क्योंकि डीडीए के कुछ इंजीनियर्स के कम्यूनिकेशन से पता चलता है कि एलजी ने छतरपुर के फॉरेस्ट रिजर्व क्षेत्र का दौरा किया था और उनके मौखिक आदेश पर यह पेड़ काटे गए।

- कई बार नोटिस देने के बाद भी वन विभाग ने सैकड़ों पेड़ काटे जाने को लेकर अपनी स्टेटस रिपोर्ट आज तक नहीं दी है: राय

समय पर कूड़ेदान नहीं उठने से पूरी सड़क पर फैल जाता है कूड़ा

सड़कों पर रखे कूड़ेदान की बदबू से राहगीर परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सड़कों पर रखे गए कूड़ेदानों से आ रही बदबू से राहगीर परेशान हो रहे हैं। कमोवेश ऐसी स्थिति पूरी दिल्ली में देखी जा रही है। दरअसल दिल्ली नगर निगम ने सड़कों पर कूड़ा फेंकने वालों को रोकने के लिए सड़कों पर जगह-जगह बड़े-बड़े कूड़ेदान रखे हैं। लेकिन समय पर न उठने के कारण और लोगों द्वारा इनमें ठीक से कूड़ा न डालने की वजह से ये कूड़ेदान राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। जैसे ही राहगीर सड़कों पर रखे इन कूड़ेदानों के पास

निकलते हैं तो वहां पर आ रही भयंकर बदबू के कारण मुंह बंद करके निकलना पड़ रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण पूर्वी दिल्ली के मदर डेयरी से निर्माण विहार को जाने वाली सड़क पर दिखता है। इस रोड पर कई जगह बड़े-बड़े कूड़ेदान रखे हैं। एक तो गणेश चौक पर, दूसरा पांडव नगर के शराब ठेके के पास और तीसरा रेलवे फाटक के ब्रिज के नीचे और मधुवन चौक से पहले भी रखे हैं। इन कूड़ेदानों में रेहड़ी पटरी वाले अपना कूड़ा फेंकते हैं। साथ आसपास के रहने वाले लोग भी इनमें कूड़ा डाल देते हैं। लेकिन परेशानी यह है कि यह कूड़ेदान समय पर नहीं उठते हैं। कूड़ेदान भर जाने के बाद भी उन्हें नहीं उठाया जाता है। जिसकी वजह से कूड़ा सड़कों पर बिखर जाता है। इससे इस सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को बहुत परेशानी हो रही है।

खबर संक्षेप

शराब की तस्करी करने वाले को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सराय ख्वाजा की टीम ने शराब तस्करी करने वाला आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी कुंवरपाल गांव भन्देमऊ जिला माती यूपी हाल मुकाम मोल्डबंद दिल्ली का रहने वाला है। आरोपी को थाना पुलिस टीम ने युनिवर्सल अस्पताल बाई पास रोड सेक्टर 37 के पास से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने के दौरान प्लास्टिक कट्टे से 100 पव्वा शराब देशी बरामद हुए थे।

नाती ने की लूट के बाद नानी की हत्या, काबू

गाजियाबाद। एक नाती ने अपनी नानी की लूट के बाद हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मोबाइल पर ऑनलाइन रमी खेलता था। जिस कारण से वह कर्जदार हो गया था। कर्ज से परेशान युवक ने नानी से रुपए मांगे, नानी ने रुपए देने से इंकार कर दिया। इसके बाद घर में अकेली नानी के उसने जेवरात व रुपए लूट लिए। विरोध करने पर उसने नानी की हत्या कर दी ।

चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस चौकी सेक्टर-15 की टीम ने घर से एसी, मशीन के कार्ड व पार्ट चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राहुल उर्फ विजय कुमार मूल रुप से उत्तर प्रदेश के जिला बस्ती पोस्ट बेदिपुर के गांव का तथा वर्तमान में दिल्ली मीठापुर का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से मीठापुर दिल्ली एरिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी एसी सर्विस करने की कंपनी में नौकरी करता था।

मारपीट के मामले में 5 को पुलिस ने किया काबू

गुरुग्राम। शिवाजी नगर थाना एरिया में दुकान से खींचकर व्यक्ति से मारपीट करने के मामले में सेक्टर-31 क्राइम ब्रांच ने पांच युवकों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों से 2 गाड़ियां बरामद की है। पुलिस मामले में अब तक 9 को काबू कर चुकी है। दरअसल, शिवाजीनगर थाना पुलिस में एक युवक ने शिकायत दी कि स्कूटी पर सवार उसके पिता की एक ट्रक से टक्कर हो गई थी। जिसके बाद उनकी ट्रक वालों से बहसबाजी हो गई। कुछ देर बाद उसके पिता खांडसा मंडी में स्थित युवक की दुकान पर आ गए। कुछ देर बाद कुछ व्यक्ति उसकी दुकान पर आए तथा उसके पिता को खींचकर ट्रक के पास ले गए। वहां पर उनके साथ लाठी डंडों से मारपीट की।

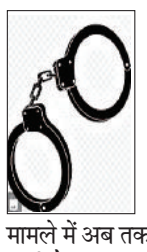

अवैध कैसिनो में जुआ खिलाने पर 6 काबू

गुरुग्राम। सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच ने फरीदाबाद रोड पर अवैध कैसिनो में लोगों को जुआ खिलाने के मामले में छह आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों पर डीएलएफ फेज-1 थाना में केस दर्ज करा कार्रवाई शुरु कर दी है। दरअसल, सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि पारस कोटियार सोसाइटी आईकॉनिक टावर फरीदाबाद रोड, गुरुग्राम में अवैध रूप से कैसिनो चलाकर लोगों को जुआ खिलाया जा रहा है। जिस पर पुलिस की टीम ने रेड करते हुए मौके से 6 आरोपियों को जुआ खेलने/खिलाते हुए रंगे हाथों धर दबोचा।

फिर गुलजार हो रही ऐतिहासिक झील

72 करोड़ के ड्रीम प्रोजेक्ट से संभव हुआ बड़खल झील का विकास

बिजेन्द्र शर्मा ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली ऐतिहासिक बड़खल झील जल्द ही गुलजार होने जा रही है। बड़खल झील में जल का स्तर अब काफी ऊपर उठ चुका है और उम्मीद की जा सकती है। आगामी दो-तीन माह में बोटिंग के साथ-साथ फरीदाबाद की मरीन ड्राइव का भी लुत्फ उठा सकेगें।

काबिलेगौर यह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जब-जब भी पर्यटन के क्षेत्र में फरीदाबाद का जिक्र होता था तो ऐसा होता ही नहीं था कि बड़खल झील का जिक्र न हो। बड़खल झील का अपना पुरातन इतिहास रहा है और इस झील को ऋषि पाराशर की तपो भूमि के रूप में मान्यता मिलती रही है। अरावली पर्वत माला की गोद में स्थित यह प्राकृतिक झील अपने आप में इतनी मनोहारी है कि फिल्म उद्योग से संबंध रखने वाले कई निर्देशकों ने अपनी फिल्मों के सीन का भी फिल्मांकन भी यहां किया। यह अलग बात रही कि 90 के दशक में झील की तरफ तत्कालीन सरकारों ने ध्यान देना मुनासिब नहीं समझा और बड़खल झील अपनी अस्तित्व बचाए रखने की लड़ाई लड़ती रही।

ऐतिहासिक

झील को पुराने स्वरूप में लौटते हुए देखना सुखद

बड़खल की विधायक एवं प्रदेश की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा का कहना है कि बड़खल झील उनका ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है तथा बड़खल झील को पुराने स्वरूप में लौटते हुए देखने पर उन्हें सुखद अनुभूति हो रही है। उनका कहना था कि बड़खल झील की पुन: अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में चर्चा हो यही उम्मीद है।

सीमा त्रिखा, शिक्षा मंत्री

पानी का स्तर 9 फुट के पहुंचने पर शुरू होगी नौका विहार

बड़खल विधानसभा क्षेत्र से विधायक और प्रदेश की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने इस ऐतिहासिक झील के सौन्दर्य को बचाए रखने के लिए एक प्रभावी कदम उठाया और उनके इस सराहनीय कदम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर ने भी पूरा साथ निभाया। इस झील के ऐतिहासिक सौन्दर्य को बनाए रखने के लिए 72 करोड़ की एक महत्वकांशी परियोजना शुरू की गई। जो अब अंतिम दौर में है। झील के बेड को दुरूस्त करने के बाद पानी भरने का काम शुरू कर दिया गया है, जो चार फुट के स्तर तक जा पहुंचा है। पानी का स्तर 9 फुट के करीब पहुंच जाने के बाद झील में बोटिंग शुरू कर दी जाएगी। झील की सैर करने आने वाले पर्यटन प्रेमियों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए झील के पूर्वी किनारे को मुंबई की मरीन ड्राइव के तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। उम्मीद की जा सकती है कि आगामी दो-तीन माह में पर्यटन प्रेमी बड़खल झील में नौकायन के साथ-साथ मरीन ड्राइव की ड्राईविंग का भी लुत्फ उठा सकेंगे।

आरोपियों ने धार्मिक नारे भी लगाए

मंदिर के बाहर सो रहे पुजारी का गला रेता इकबाल, महताब के साथ कई अन्य नामजद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

परिजनों ने आरोप लगाया है कि गला रेतने से पहले आरोपियों ने धार्मिक नारा भी लगाया था। गंभीर हालत में परिजनों व गलीवासियों ने घायल रवि भगत को फोर्टिस एस्कार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सारन थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली न्यू जनता कालोनी निवासी भाजपा नेता रवि भगत ने अपने घर के अंदर ही 9 रूप काली मंदिर के नाम से मंदिर बनाया हुआ है। वह वहीं पर पूजा अर्चना करता है। बीती रात वह गली में मंदिर के सामने फोल्डिंग पर लेटा हुआ था। इसी बीच कुछ युवक आए और रवि भगत पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने चाकू से उसका गला रेता। परिजनों ने आरोप लगाया है कि गला रेतने से पहले आरोपियों ने धार्मिक नारा भी लगाया था। गंभीर हालत में परिजनों व गलीवासियों ने घायल रवि भगत को फोर्टिस एस्कार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, रवि भगत को कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का खासमखास समर्थक बताया गया है। गुस्साएं लोगों ने सुबह 11 बजे प्याली चौक पर जाम लगा दिया। जो एक घंटे तक जाम में लोग फंसे रहे। थाना सारन पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

खास बातें

- रवि भगत कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा का समर्थक
- मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू

पुलिस ने कहा- रंजिश के कारण किया हमला

सारन थाना प्रभारी राजेश कुमार का कहना है कि हमला जरूर किया गया है लेकिन धार्मिक उन्माद वाली बात सामने नहीं आई है। घायल की हालत अब ठीक बताई जा रही है। पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश करनी शुरू कर दी है। यह हमला रंजिश के तहत किया गया है। आरोपियों के गिरफ्तार होने के बाद ही पता लगेगा की असली कारण क्या है। इसके बाद गुस्साए परिजनों, जनता कालोनी वासी, बजरंग दल व देव सेना के कार्यकर्ताओं ने सुबह 11 बजे प्याली चौक पर जाम लगा दिया। पुलिस ने कई बार लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाना चाहता लेकिन जाम नहीं खुल सका। जिसके बाद पुनः परिजनों की मांग मानते हुए आरोपियों को शाम तक गिरफ्तार करने व अन्य लोग जो इस घटना में शामिल है उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिसके बाद लोगों ने जाम को खोला। जाम के चलते एनआईटी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था चरमरा गई। रवि भगत प्रदेश के उद्योग मंत्री पं. मूलचंद शर्मा का खासमखास समर्थक है।

17 वर्षीय नाबालिक की हत्या

महिला सहित बेटे, भाई व जीजा को पुलिस ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। ताहिर निवासी धौज ने साउदी अरब से पुलिस आयुक्त को मेल के माध्यम से एक शिकायत दी कि उसकी पत्नी हनीफा, साली रुकसीना, सादू जफरुद्दीन व साले निज्जा ने मिलकर उसकी 17 वर्षीय लड़की की हत्या कर दी है। आईओ के द्वारा मृतक की मां के ब्यान दर्ज किए जिसने बताया कि उसकी लड़की ने करीब 11 महीने पहले गले में चुन्नी लगाकर खुदखुशी कर ली थी। मामले में जांच करते हुए ज्ञात हुआ कि मृतक की लाश मकान में दबी हुई है जिस पर लाश को निकालने के लिए एसडीएम बडखल को पत्र लिखकर इयुटी मजिस्ट्रेट नियुक्त कराया गया। पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह ने मामले में संज्ञान लेते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

नालों से हटाया गया अतिक्रमण

विजयनगर वसुंधरा जोन में चला नगर निगम का बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम बुलडोजर विजयनगर तथा वसुंधरा जोन में चला। जिसमें सड़कों के किनारे व नालों पर किया गया अतिक्रमण हटाया गया। विजय नगर जोन में जोनल प्रभारी विवेक त्रिपाठी के नेतृत्व में बुलडोजर से अवैध अतिक्रमण हटाया गया। साथ ही अवैध विज्ञापन बोर्ड भी हटाए गए। विजयनगर के अंतर्गत सेक्टर 12 प्रताप विहार मेडिकल रोड पर अभियान चलाया गया, जिसे नालों के ऊपर हुए अवैध अतिक्रमण को भी हटाया गया। मौके पर स्वास्थ्य विभाग ने अवैध अतिक्रमण हटाते ही नाले की सफाई कराई।

विज्ञापन के बोर्ड हटाए

इसी तरह वसुंधरा जोन पर प्रभारी सुनील राय के नेतृत्व में सेक्टर 11 से लेकर सेक्टर 15 तक मार्केट एरिया में अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की जिसमें अवैध रूप से लगे हुए विज्ञापन के बोर्ड को भी हटाया गया अभियान से पूर्व अनाउंसमेंट में अन्य आवश्यक नियम अनुसार कार्रवाई भी की गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने समस्त जोन मे अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश संबंधित विभागों को दिए हैं। जिसमें नालों के ऊपर पक्के निर्माण को निर्माण विभाग तथा जोनल प्रभारी संयुक्त रूप से टीम बनाकर हटाए निर्देश दिए हैं।

अन्य को प्लॉट बेचने पर भाई से मारपीट व जान से मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

बजघेड़ा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को अपना प्लॉट किसी दूसरे व्यक्ति को बेचने पर उसके भाई व परिवार के अन्य लोगों ने उसे बुरी तरह पीटा। इस मारपीट में शिकायतकर्ता का एक दांत भी तोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में बजघेड़ा के नरेश ने बताया कि गत 26 जून की रात करीब 10 बजे अपने अपने घर पर था। इसी दौरान उसका भाई सोहनपाल आया और उसे कहा कि उसने प्लॉट किसी दूसरे को क्यों बेचा। उसे क्यों नहीं दिया। इस पर शिकायतकर्ता ने कहा कि वह उससे जिद न करे और अपने घर चला जाए। उस समय वह वहां से चला गया। कुछ देर बाद सोहनपाल अपनी पत्नी कुसुम, पिता जगदीश, चाचा अजीत, बड़े भाई रामपाल व अपने बेटे सचिन को साथ लेकर आया और नरेश के साथ मारपीट की। इस दौरान अजीत ने उसके मुंह पर मुक्का मारा, जिससे उसका एक दांत टूट गया। इसके बाद अजीत, रामपाल प सोहनपाल ने घर के अंदर घुसकर उसकी पत्नी व बेटा राहुल, संदीप के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने पत्थर भी मारे और परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिहान ने पुलिस की गिरफ्त से छुड़ा लिया था आरोपी चाचा को

पुलिस पर गोली चलाकर घायल करने वाले बदमाश की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

दिल्ली के गोकुलपुरी थाने से चोरी के मामले के वांछित चल रहे अपराधी को थाना अंकुर विहार क्षेत्र में गिरफ्तार करने आई दिल्ली पुलिस की टीम पर गोली चलाने वाले बदमाश की गुरु तेग बहादुर अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। बदमाश की गोली से दिल्ली पुलिस का हैडकांस्टेबल घायल हो गया था। वह वांछित अपराधी का भतीजा था। बाद में पुलिस ने गोली चलाने वाले बदमाश को गिरफ्तार कर लिया था। छीना झपटी के दौरान बदमाश की पिस्टल से गोली चल गई और वह खुद घायल हो गया। सिपाही व बदमाश को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। जहां पर बदमाश ने दम तोड़ दिया।

डीसीपी (ग्रामीण) विवेक चंद्र यादव ने बताया कि गोकलपुरी में चोरी के मामले में वांछित चल रहे अपराधी सुहेल उर्फ मोनू तलाश में अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डाबर तालाब इलाके में दबिश देने आई थी। पुलिस ने दबिश देकर सुहैल व मोनू को दबोच लिया था, लेकिन सोनू का भतीजा रिहान ने दिल्लीर पुलिस पर अवैध पिस्तौल तान दिया, जिसके चलते पुलिस को सोहेल को छोड़ना पड़ा।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के जाल में फंसाकर 7.50 करोड़ की ठगी

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर कारोबारी युवती के साथ धोखाधड़ी के मामले में एक आरोपी को पकड़ा है। तीन माह पहले दर्ज केस में 16 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। फरीदाबाद पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। सेक्टर 15 में रहने वाली प्रियांशी गुप्ता ने 29 मार्च को साइबर थाने में केस दर्ज कराया था। वह अपने पिता प्रमोद गुप्ता सीए की फर्म में फाइनेंशियल मैनेजमेंट का काम देखती हैं। प्रियांशी के साथ ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 7.50 करोड़ की ठगी हुई थी। इस साइबर गैंग के तार नेपाल और चीन से भी जुड़े थे। फरीदाबाद पुलिस ने आगरा के चर्चित कारोबारी को भी नामजद किया था। टीम उसकी तलाश में आगरा भी आ चुकी थी, लेकिन वह फरार था। उसकी तलाश नेपाल में भी की गई।

पहाड़ी क्षेत्र में कहीं भी अवैध खनन पर होगी सख्त कार्रवाई

गुरुग्राम। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा है कि जिले के पहाड़ी क्षेत्र में कहीं भी अवैध खनन का कार्य नहीं होना चाहिए। इस प्रकार की गतिविधियों पर अधिकारी निगरानी रखें। कोई भी क्रशर संचालक या व्यक्ति अवैध खनन कार्य में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। डीसी निशांत कुमार यादव अपने कार्यालय में अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रायसीना पहाड़ी व इसके आसपास कहीं किसी प्रकार का अवैध निर्माण किया जा रहा है तो उसे गिरा दिया जाए। उन्होंने सोहना उपमंडल के एसडीएम सोनू भट्ट को निर्देश दिए कि वे स्वयं उपमंडल के पहाड़ी क्षेत्र का दौरा करें और अवैध निर्माण कार्यों पर रोक लगाएं। कहीं भी अरावली क्षेत्र में सरकारी भूमि पर नाजायज रूप से निर्माण किया जा रहा है तो पीएलपी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाए।

पहचान की अपील

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति जिसका **नामः** नामालूम, **पुत्रः** नामालूम, **पताः** नामालूम, **उम्रः** लगभग 40–45 साल, **कदः** 5'7", **लिंगः** पुरुष, **रंगः** सांवला, **शरीरः** तंदुरुस्त, **चेहराः** अंडाकार, **पहनावाः** सफेद रंग की बनियान एवं काले रंग की निक्कर पहने है, **बरामदी स्थलः** जो मुंडका रेलवे स्टेशन, दिल्ली के रेलवे ट्रैक के पास मृत अवस्था में पाई गया था। मृतक के शव को सब्जी मंडी के शवगृह में पहचान के लिए संरक्षित रखा गया है।

इस सम्बंध में **DD No. 54A, U/s 174 CrPc, दिनांक 27.06.2024, पुलिस स्टेशनः सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली** में दर्ज है। यदि इसके बारे में कोई सुराग या जानकारी मिले तो तुरंत इसकी सूचना निम्नलिखित पते पर दें।

थानाध्यक्ष
पुलिस स्टेशनः सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन, दिल्ली
DP/8351/Rly/2024 **फोनः 8750871308, 9868668666**

नगर आयुक्त ने किया बालिका विद्यालय का निरीक्षण, दिए निर्देश

निगम के सभी स्कूलों में झूले तथा ओपन जिम लगाए जाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने चंद्रपुरी स्थित नगर पालिका बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निगम द्वारा संचालित किए जा रहे स्कूलों में झूले लगाने तथा ओपन जिम लगाने की निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा में छात्राओं के बैठने की व्यवस्था, प्लेग्राउंड, का स्थलीय निरीक्षण किया। स्टाफ से बातचीत करते हुए नियमित कार्यों पर चर्चा की गई।

प्रधानाचार्य तथा अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव को छात्राओं के मानसिक विकास के साथ-साथ शारीरिक विकास का विशेष ध्यान रखने की निर्देश दिए। जिसके क्रम में नियमित व्यायाम एक्टिविटी करने के लिए कहा सभी स्कूलों की छात्राओं का हेल्थ चेक लगातार कराते रहने के लिए कहा गया, बालिकाओं के सर्वांगीण विकास से ही समाज को मजबूती मिलेगी, जिसके लिए ओपन जिम भी लगवाने के लिए निर्देश दिए गए।

सभी स्कूलों में स्थाई क्लीनिक की सुविधा

गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत 7 स्कूल गाजियाबाद नगर निगम द्वारा संचालित किया जा रहे हैं जिसमें लगभग 6000 से अधिक छात्रा हैं। चंद्रपुरी, सिहानी, केला भट्टा, मकनपुर, साहिबाबाद, मेहरौली, कुटी भोपुरा के सभी स्कूलों में उच्च शिक्षा के स्वच्छता के प्रति भी छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है, कॉमर्स विज्ञान तथा मानविकी विषयों पर छात्राओं को शिक्षा दी जा रही है।

स्कूल की प्रधानाचार्य अंतिम चौधरी ने बताया कि नगर आयुक्त के निर्देश के क्रम में सभी स्कूलों में क्लीनिक की सुविधा को भी स्थाई रूप से किया गया है जिसमें बालिकाओं का समय-समय पर पूरे वर्ष हेल्थ चेकअप / ब्लड चेक अप होता है तथा आवश्यकता अनुसार दवाइयां भी दी जाती हैं ।ब्लड की जांच भी कराई जाती है तथा संचारी रोग के लिए भी सभी बालिकाओं को व उनके अभिभावकों को भी जागरूक किया जाता है। क्लीनिक में लेडी डॉक्टर एमबीबीएस तथा उनका स्टाफ पूरे समय तैनात रहता है।

गुमशुदा/अपहृत व्यक्ति की तलाश

गौरव

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति (फोटो में दिखाया गया) जिसका नाम गौरव **R/o** 1254/57 गली जयपुरिया, शोरा कोठी, सब्जी मण्डी, दिल्ली **उम्र** 27 साल जो कि अपने निवास से लापता/अपहृत है। इस बाबत **DD No.40A दिनांक** 24.062024 थाना सब्जी मण्डी, दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार है:

रंगः गेहुँआ, **कदः** 5'3", **चेहराः** अण्डाकार, **शरीरः** सामान्य, **पहचानः** गौरव के दाहिने हाथ पर माँ और बेटा का टैटू और बाएं हाथ पर मोर का टैटू, जिसने नीले रंग की टी-शर्ट, मेहंदी रंग का पजामा और काले रंग की चप्पल पहनी है।

अगर किसी व्यक्ति को इस लापता/अपहृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी/सूचना मिले तो थानाध्यक्ष सब्जी मण्डी, दिल्ली को ई-मेलः cic@cbi.gov.in और वेबसाइट : http://cbi.nic.in पर सूचित करने की कृपा करें।

हस्ता/-
थानाध्यक्षः सब्जी मण्डी, दिल्ली
फोनः 011-23823161, 23827100
मो.: 8750870126

फोन नं.: 011-24368638, 24368641
फैक्स नं.: 011-24368639
दि.पु./8274/उत्तर/2024

हरियाणा सरकार

"दीनदयाल उपाध्याय जी ने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया था। यानि जो समाज की आखिरी पंक्ति में हैं, उनका उदय। 21वीं सदी का भारत इसी विचार से प्रेरणा लेते हुए अंत्योदय के लिए काम कर रहा है। जो विकास के आखिरी पायदान पर है, उसे विकास के पहले पायदान पर लाने के लिए काम हो रहा है।"

- नरेन्द्र मोदी

नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण

वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, विधुर और अविवाहित व्यक्तियों को वित्तीय सहायता योजना के तहत

75,000 नए लाभार्थियों को पेंशन वितरण

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 6300 लाभार्थियों को अधिकार-पत्र वितरण

- प्लॉट की वास्तविक कीमत या एक लाख रुपये जो भी कम हो, की वित्तीय सहायता
- अधिकार-पत्रों का वितरण 17 अन्य जिलों अम्बाला, भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, गुरुग्राम, हिसार, जींद, झज्जर, करनाल, कैथल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर में भी होगा

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ वितरण

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्री नायब सिंह

मुख्यमंत्री, हरियाणा

अधिकार-पत्र हेतु अधिक जानकारी के लिए

संपर्क करें : 0172-3520001

अथवा

वेबसाइट www.hfa.haryana.gov.in पर जाएं

दिनांक - 30 जून, 2024 । समय - दोपहर 2 बजे

स्थान - अनाज मंडी, पानीपत

गरिमामयी उपस्थिति

श्री बिशम्बर सिंह
राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय विभाग, हरियाणा

श्री सुभाष सुधा
राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार
सबके लिए आवास
हरियाणा

श्री महिपाल ढांडा
राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार
विकास एवं पंचायत
हरियाणा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 30 जून 2024

स्पेशल
वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे

यह सही है कि सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को आपस में कनेक्ट करने में रिवोल्यूशनरी रोल निभाया है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि आज देश-दुनिया में करोड़ों लोग सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं, इन्होंने अपनी लाइफ को अनहेल्दी और स्ट्रेसफुल बना लिया है। ऐसे में इस एडिक्शन से बचने के तरीकों और इससे होने वाले बेनिफिट्स के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए। आज वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे के अवसर पर इन तमाम पहलुओं पर हम यहां डिटेल में बता रहे हैं।

लाइफ को बना रहा बीमार सोशल मीडिया एडिक्शन

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

आज के दौर में सोशल मीडिया, हम में से अधिकतर की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे किसी तरह की जानकारी लेनी हो, अपने प्रोडक्ट की पब्लिसिटी करनी हो, अवेयर करना हो, हर फील्ड का प्लेटफॉर्म बनाने का काम सोशल मीडिया कर रहा है। सोशल मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, हमारे शरीर के मस्तिष्क के उसी हिस्से को सक्रिय करते हैं, जिस हिस्से को अन्य हैबिट्स एक्टिव करती हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से शरीर में डोपामाइन केमिकल का लेवल बढ़ जाता है और व्यक्ति को खुशी महसूस होने लगती है। इसके उलट अगर आपकी पोस्ट पर नेगेटिव कमेंट्स आते हैं या ट्रोलिंग होती है तो आप परेशान हो जाते हैं और नेगेटिविटी का शिकार भी होने लगते हैं। वास्तव में सोशल मीडिया एक वर्चुअल या आभासी दुनिया है, जो वास्तविकता या रियलिटी से अलग है। यहां सिर्फ वही दिखता है, जो हम लोगों को दिखाना चाहते हैं। रील और रियल लाइफ बहुत अलग-अलग होती हैं।

तेजी से बढ़ रहा लोगों में एडिक्शन

आज के बदलते लाइफस्टाइल में सोशल मीडिया, हमारी हेल्थ और सक्सेस का सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, स्नैप चैट) का एडिक्शन लोगों को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इस वजह से अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा लोग इसमें बर्बाद कर रहे हैं। शुरू में चाहे वो नॉलेज पाने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, धीरे-धीरे सोशल मीडिया में चैटिंग करना, स्टेटस लगाना, सेल्फी लगाने में उलझने लगते हैं। कई लोग तो इस कदर इसमें रम जाते हैं कि हर पांच मिनट में अपना स्टेटस अपडेट करने लगते हैं और उस पर आने वाले लाइक्स का बड़ी शिद्दत से इंतजार करते हैं। ऐसा ना करने पर उन्हें एंजाइटी होने लगती है। उनके दिमाग में एडिक्शन पैटर्न बनना शुरू हो जाता है, जो हेल्थ और नॉर्मल लाइफ के लिए काफी हार्मफुल हो सकता है।

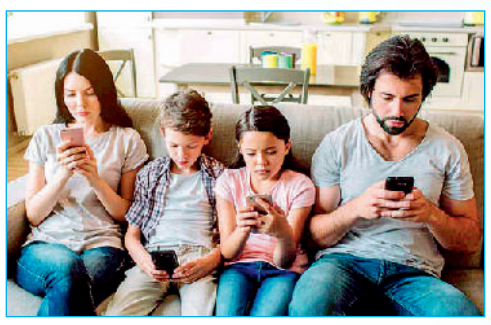

क्या कहते हैं आंकड़े

भारत में एंड्रॉयड मोबाइल फोन के तेजी से बढ़ते चलन के कारण, आज तकरीबन 35 करोड़ सोशल मीडिया यूजर हो गए हैं। आने वाले कुछ वर्षों में इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। स्मार्टफोन यूजर, औसतन ढाई से तीन घंटे रोजाना सोशल मीडिया पर बिताते हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हिसाब से बड़े शहरों में 18 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया की लत का शिकार हो रहे हैं। 10-12 साल के करीब 43 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर एक्टिव हैं। 8 में से एक बच्चा रात को भी सोशल मीडिया चैटिंग करता है।

तब हो जाएं एलर्ट

इसमें कोई शक नहीं है कि अगर सोशल मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे आप अपनी नॉलेज और करियर को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन गलत इस्तेमाल आपको शारीरिक-मानसिक रूप से बीमार बना सकता है। अगर आपको अपना सोशल मीडिया एकाउंट चेक करते हुए या करने के बाद मूड में नेगेटिविटी या कुछ एब्नॉर्मल लक्षण नजर आने लगें जैसे-साइकोलॉजिकल डिपेंडेंसी बहुत बढ़ना, ईर्ष्या या असुरक्षा जैसे भाव महसूस होने लगें, आपको अकसर गुस्सा आने लगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन आए, बिना वजह दुखी रहें, स्ट्रेस, एंजाइटी बढ़ जाए, आपके ईटिंग और स्लीपिंग पैटर्न में बदलाव हो यानी रात में नींद कम आने लगे या भूख कम लगे, रोजमर्रा की एक्टिविटीज और काम-काज में मन ना लगे, बार-बार फोन चेक करने का मन करे, अपने पियर ग्रुप या दोस्तों के साथ कंपैरिजन करने लगें, उनसे मिलने-बातचीत करने के बजाय सोशल मीडिया पर ही संपर्क में रहते हों तो ये सब सोशल मीडिया एडिक्शन के लक्षण हो सकते हैं। यह खतरे की घंटी है। ऐसे में सोशल मीडिया से दूरी बना लेना ही उचित है। *

सोशल मीडिया डिटॉक्स के फायदे

अनुसंधानों से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से ब्रेक लेने यानी इसके एडिक्शन से मुक्त होने के बाद लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार आता है। अगर आप सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं तो इन फायदों के बारे में जानकर आप जरूर इससे मुक्त होना चाहेंगे।

मूड में सुधार: रिसर्च से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से दूरी बना लेने पर मूड में पॉजिटिव बदलाव आता है। इससे आप अपनी तुलना दूसरों से करना बंद कर देते हैं। अपनी जिंदगी सुकून से जीने लगते हैं। आपका मूड अच्छा रहता है, आप प्रोडक्टिव वर्क अधिक करने लगते हैं।

कम होती है शो-ऑफ की हैबिट: सोशल मीडिया पर लोग ज्यादातर दिखावा करते हैं, अपने को बहुत खुश दिखाते हैं। जिन्हें देखकर आप भी शो-ऑफ भरे पोस्ट्स डालना चाहते हैं और ऐसा ना कर पाने पर दुःखी रहने लगते हैं। सोशल मीडिया की लत छोड़ने पर आप शो-ऑफ की हैबिट से दूर रहकर सहज जीवन जीने लगते हैं।

फेक न्यूज से होगा बचाव: सोशल मीडिया झूठी खबरों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। कई बार तो इनके जरिए व्यक्ति को इस तरह ट्रैप किया जाता है कि वह किसी कंपनी या प्रोडक्ट के बारे में दी गई गलत जानकारी पर आंख मूंद कर विश्वास कर लेता है। जिसकी वजह से कभी-कभार वित्तीय नुकसान तो होता ही है, सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। सोशल मीडिया की लत से निकलने पर निश्चय ही इससे बचा जा सकता है।

एंजाइटी होती है कम: एडिक्शन से दूर होने के बाद, रोज-रोज लाइमलाइट में आने के लिए 'क्या पोस्ट डालें' यह नहीं सोचना पड़ेगा। ना ही इस बात की फिक्र रहेगी कि आपकी तस्वीरों या चीजों पर कितने लाइक्स मिले, कितने कमेंट आए, कितने लोगों ने वीडियो देखी, फ्रेंड लिस्ट या फॉलोअर्स लिस्ट में कितना इजाफा हुआ? यानी, सोशल मीडिया की लत से मुक्त होने उससे उपजी टेंशन, एंजाइटी और डिप्रेशन से दूर रहेंगे।

डेली प्लानिंग होती है बेहतर: एडिक्शन से मुक्त होने पर सुबह उठने के साथ मोबाइल पर नोटिफिकेशन, एप्स पर दूसरों की स्टोरीज चेक करना बंद हो जाता है। बचे समय में आप कहीं बेहतर तरीके से अपने दिन की प्लानिंग कर सकते हैं।

क्रिएटिविटी होगी बूस्ट: जाने-अनजाने सोशल मीडिया की लत आपका बहुत सारा टाइम बर्बाद कर देती है, जिसका इस्तेमाल अपने तरीके से कर सकते हैं। खाली समय में आप अपनी हेल्थ-फिटनेस पर ध्यान दे सकते हैं। आप क्रिएटिव काम कर सकते हैं। अपनी हॉबीज को टाइम दे सकते हैं। सोशल मीडिया से ब्रेक लेने पर दूसरे कामों को करने में आपका मन लगता है, कंसंट्रेशन बढ़ता है, इससे आपका खुद पर कंट्रोल बढ़ेगा और आप बेहतर डिसीजन ले पाएंगे।

बढ़ेगा सोशल कनेक्शन: सोशल मीडिया डिटॉक्स करके आप व्यावहारिक रूप से लोगों के करीब आ सकते हैं। सोशल मीडिया में ज्यादातर लोगों से डिजिटल संबंध ही बन पाते हैं। इससे दूर होने पर असल जिंदगी के लोगों के साथ समय बिताने का मौका मिलता है और आपकी बॉन्डिंग मजबूत होती है। *

ऐसे दूर करें सोशल मीडिया एडिक्शन

अगर आपको लग रहा है कि सोशल मीडिया की लत आपके दिलो-दिमाग को ही नहीं जीवन को भी प्रभावित कर रही है तो सोशल मीडिया डिटॉक्स करना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ उपाय अपनाने होंगे।

- वैसे तो सोशल मीडिया से आप कितनी देर ब्रेक लेना चाहते हैं इसके लिए कोई निश्चित टाइम नहीं है, फिर भी आप अपने हिसाब से एक दिन, एक सप्ताह या एक महीना चुन सकते हैं।
- सबसे जरूरी है, मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। खुद के लिए समय निकालें।
- अपने फोन को दो हिस्से में बांटें कॉलिंग और डाटा। कम्युनिकेशन के लिए बेसिक फोन रखें या स्मार्टफोन भी ऐसा हो, जिसकी इंटरनल मेमोरी या रैम काफी कम हो और वह सोशल मीडिया के विभिन्न एप्स को सपोर्ट ना कर पाए।
- अपने काम करने, नॉलेज लेने या पढ़ाई करने के लिए महंगे स्मार्टफोन की जगह टैबलेट या वाई-फाई इंटरनेट से चलने वाला स्मार्टफोन ही रखें। इनमें कोई भी सोशल मीडिया एप इंस्टाल ही न करें।
- कोशिश करें कि चैट ग्रुप्स में शामिल होने के बजाय एजुकेशनल नॉलेज वाली चीजों पर ध्यान दें।
- नोटिफिकेशन अलर्ट बंद करें। नोटिफिकेशन ना मिलने पर आप बार-बार अपना फोन चेक नहीं करेंगे।
- रात में सोने के कुछ घंटे पहले मोबाइन फोन को अपनी पहुंच से दूर रखें। जब तक बहुत जरूरी न हो, अपना फोन चेक न करें।
- खुशियों के लिए समय निकालें, अपनी हॉबीज, एक्सरसाइज, दोस्तों से मिलने-जुलने के लिए खुद को तैयार करें। दूसरों से स्क्रीन पर बात ना कर आमने-सामने बात करें ताकि अंतर्मुखी बनने के बजाय दूसरों से आपकी बॉन्डिंग मजबूत हो। *

(डॉ. रोहित शर्मा, मनोचिकित्सक, आरोग्य अस्पताल, दिल्ली और डॉ. पूजा आनंद शर्मा, साइकोथेरेपिस्ट, विश्वास हीलिंग सेंटर, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)

साइबर क्राइम्स पर पैनी नजर आई 4 सी

हर एरिया में बढ़ते डिजिटलाइजेशन का साइड इफेक्ट साइबर क्राइम्स के रूप में भी बढ़ रहा है। इस पर नजर रखने और रोकने के लिए सरकारी पोर्टल आई 4 सी बहुत तेज और सटीकता से अपना रोल निभा रही है।

{ टेक्नो-सिक्योरिटी / नरेंद्र शर्मा }

इसी माह 18 जून 2024 को देश के 317 शहरों के 1205 केंद्रों में नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नेट की परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें 9 लाख से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया था। हालांकि स्थानीय स्तर पर कई जगहों पर कुछ सुगबुगाहट तो थी कि शायद नीट की तरह इस परीक्षा का भी पेपर लीक हुआ है। लेकिन एक दिन बाद ही केंद्र सरकार ने इस परीक्षा को रद्द कर दिया। वजह थी एक ऐसी आंख, जिसने वह सब कुछ देख लिया था, जिसकी कुछ लोगों को आशंका थी। वह आंख थी आई 4 सी की।

क्या है यह पोर्टल: आई 4 सी (नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक यूनिट) यानी, गृह मंत्रालय का भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र। इसे ही संक्षेप में आई 4 सी कहते हैं। इसकी स्थापना 30 अगस्त 2019 को एक प्रैक्टिकल पोर्टल के रूप में हुई थी। आज यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक ऐसी गिद्ध आंख है, जो साइबर अपराधों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखती है, लेकिन उसे कोई और देख नहीं पाता है।

साइबर क्राइम जांच में सहायक: वास्तव में आई 4 सी, भारत के आम नागरिकों के विरुद्ध होने वाले सभी तरह के साइबर अपराधों पर अपना ध्यान केंद्रित करती है और यह देश की विभिन्न जांच एजेंसियों को इन अपराधों से निपटने में अपनी विशेषज्ञता से लाभ पहुंचाती है। आई 4 सी देश की सभी जांच एजेंसियों को साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर मदद करती है। इसका उद्देश्य देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए एक नोडल प्वाइंट के रूप में काम करना है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले साइबर अपराध के खिलाफ आज मजबूती और तीव्रता से कार्यवाही की जाती है तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण इसी आई 4 सी की गिद्ध दृष्टि, अपराध को पहचानने और चिन्हित करने में इसकी एक्यूरेसी है।

कम समय में सिद्ध की सार्थकता: वास्तव में साल 2019 में जब एक प्रायोगिक पोर्टल के रूप में यह वेबसाइट लांच की गई थी तो किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि यह साइबर संबंधित जांचों में इस कदर मददगार होगी। लेकिन आज यह आंख सब कुछ देखती है। चाहे परीक्षाओं में पर्चा लीक होने का मामला हो, संगठित अपराधियों के गुपचुप तरीके से बड़े अपराधों के लिए की जा रही प्लानिंग हो या राजनेताओं की सुरक्षा के गंभीर खतरों से जुड़े मसले हों। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र इन सब तरह के खतरों पर बड़ी मुस्तैदी से नजर रखता है, जिससे सभी जांच एजेंसियों को भरपूर मदद मिलती है।

निभाता है कई तरह के रोल: हालांकि आई 4 सी, मूलतः साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर ही ध्यान केंद्रित करता है। लेकिन सरकार के दूसरे क्षेत्र जहां धड़ल्ले से धोखाधड़ी हो रही होती है, वहां पर भी इसकी मदद ली जाती है। वैसे यह पोर्टल मूलतः साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आसानी से दर्ज करने और साइबर अपराध के रुझान और पैटर्न की पहचान की सुविधा भी प्रदान करता है। साथ ही यह साइबर अपराध रोक-थाम और अपराध पता लगाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में भी काम करता है। हाल के सालों में इसने जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया है, वह यह है कि देश के युवावर्ग को इस आई 4 सी ने साइबर अपराधों के विरुद्ध सजग बनाया है।

साइबर फोरेंसिक जांच, साइबर स्वच्छता, साइबर अपराध विज्ञान जैसे क्षेत्र में यह पुलिस और न्यायिक अधिकारियों की क्षमता में बढ़ोत्तरी करती है। यह आम नागरिकों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी बदौलत आम नागरिकों को साइबर अपराध की ऑनलाइन शिकायत करना बेहद आसान हो गया है। आई 4 सी बच्चों, बाल पोर्नोग्राफी, बाल यौन शोषण जैसे मसलों पर ऑनलाइन सामग्री के विरुद्ध मुहिम तो छेड़ता ही है, लोगों को लिखित में शिकायत करने की सुविधा भी देता है।

यह पोर्टल वित्तीय अपराध और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। जिस तरह से इसने हाल में हुए पेपर लीक का पता लगाया, वह काबिले तारीफ है और सरकार ने भी इस समन्वय केंद्र पर पूरा भरोसा जताते हुए, यूजीसी नेट की परीक्षा को रद्द कर दिया। इसकी इसी तेज रफ्तार और साइबर अपराधियों तक जल्द पहुंच के कारण अपराध जगत इस आंख से ओझल रहने की कोशिश करता है, क्योंकि अब यह बात करीब-करीब हर शख्स के दिलोदिमाग में बैठ गई है, जो इस डिजिटल पुलसिंग के युग में चीजों पर नजर रखते हैं, कि भले किसी और से छूट जाए, लेकिन आई 4 सी से कुछ भी देखना नहीं छूटता। यह सब कुछ बहुत बारीक निगाहों से देख लेती है। *

{ कविता / पूनम पांडे }

चित्र उकेरती कूची

कूची से चित्र उकेरती
यही सोचती हूं
कि इस गुप्त मंजिल का
अगर पता न लगता
तो, जीवन रहता कितना अधूरा।
पूरा होता है इक चित्र,
और मन तृप्त।
ऐसा लगता,
ज्यों हो रहा
आत्मा का,
शुद्धिकरण।
ये कूची और
ये अंगुलियां
इनको इक-दूजे
की ऊर्जा पर है
कितना भरोसा
कि थकते नहीं
दोनों इक-दूजे के संग।

{ कहानी / कल्पना मनोरमा }

यह जानते हुए भी कि जैसा व्यवहार हम दूसरों के साथ करेंगे, वैसा ही हमें कभी ना कभी बदले में मिलेगा, हम अपनी तल्खी से बाज नहीं आते, दूसरों को तकलीफ देते रहते हैं। मधुर मजूमदार इन्हीं लोगों में से एक थीं। बुढ़ापे में उन्हें जब पति ने उनके तल्ख व्यवहार का अहसास दिलाया तो उनके पास पीड़ा सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। इंसानी फितरत पर केंद्रित कहानी।

कुएं की आवाज

मानसिंह का हाता, अपनी विराट बनावट और जर्जर हालत के लिए नहीं, दूसरी मंजिल पर रहने वाली मधुर मजूमदार के गुस्से के लिए जाना जाता था। कितने सब्जी वालों के ऊपर ना जाने क्या-क्या फेंक कर हमले हुए। जिनमें कुछ बच गए, कुछ घायल भी हुए। जिन्हें मिस्टर मजूमदार ने अस्पताल भेजकर अपना पीछा छुड़ाया था। अब तो फेरीवाले वहां से निकलने से पहले जांच-परख लेते हैं कि कहीं मधुर मजूमदार बालकनी में खड़ी तो नहीं हैं, जो उनके गुस्से का शिकार होना पड़े।

मधुर मजूमदार बूढ़ी हो चली हैं। अपने बेटे को जहां बैठाया वहीं बैठा। बहू भी आज्ञाकारी मिली। मधुर के गुस्सैल स्वभाव में कोई परिवर्तन नहीं आया। उन्हें आराम और पूजा के समय गहरी शांति की हमेशा जरूरत रही, जो अभी तक कायम थी।

मिस्टर मजूमदार को छोड़कर सब मधुर के आगे सिर झुकाए खड़े रहते हैं। नाती चीकू भी अपनी दादी का खासा ख्याल रखता था। चीकू की शादी हो चुकी थी। नई बहू को अपने घर के तौर-तरीके मधुर ने ही बताए-सिखाए थे। गुस्सैल दादी की बातें सुनकर चीकू की बहू बहुत घबरा गई थी। चीकू की मां ने जब बहू को परेशान देखा तो हिम्मत बंधाई, 'घबराओ मत बहू, जल्दी ही तुम सबके साथ घुल-मिल जाओगी।'

एक दिन सुबह से मधुर परेशान थीं। उनकी आंख देर से खुली थीं। दोष सपनों का था, जिन्होंने उन्हें उठने नहीं दिया था, उन्हें पूजा के लिए देर हो चुकी थी। खुली छत पर बैठना तो दूर, पांव भी झुलस रहे थे। मधुर ने पहले धूप को कोसा फिर सूरज को खरी-खोटी सुनाई। उसके बाद झांककर घर में देखा। सब नाश्ता करने के बाद अपने कमरों में थे। उन्हें गुस्सा चढ़ गया। तुलसी के गमले में जल चढ़ा कर वे अंदर आईं और बिजली बोर्ड पर लगी एमसीवी गिरा दी। बिजली से चलने वाले सारे उपकरण बंद हो गए। सभी बाहर दौड़कर आए।

सास को आगबबूला देखकर,बहू ने सहमकर पूछा, 'मुझे क्या करना चाहिए?' ताव खाते हुए मधुर ने तुलसी वाला गमला चीकू के कमरे के आगे छज्जे में रखने के लिए कहा। सुनकर मधुर के बेटे ने वहां गमला रखने के लिए मना किया। कारण चीकू पंद्रह दिन की छुट्टी आया था। बेटा अपनी तरह समझाता रहा, लेकिन मधुर ने जो ठान लिया, वही हुआ। शाम को दीपक जलाकर मधुर ध्यान करने बैठी थीं। घर के अन्य जन शांत थे। चीकू भूल गया। टीवी चलाकर वह हंसने-बोलने लगा। मधुर की त्योरियां चढ़ गईं। दो मिनट गहरी सांस लेकर टीवी बंद करने के लिए बोला। चीकू ने माफी मांगते हुए टीवी के साथ दरवाजा भी बंद कर लिया।

दो ही दिन बीत पाए थे, फिर वही वाकया हुआ। इस बार मधुर ने चीकू से न कहते हुए अपने बेटे से कहा, 'अपने बेटे-बहू को समझा लो।' बेटे ने मां को अपनी बात याद दिलाई कि चीकू बस कुछ दिनों के लिए आया है, थोड़ा धैर्य रखें। मां-बेटे झगड़ पड़े। घर में तनाव का माहौल देखकर नई बहू डर गई।

दिन गुजरते रहे, दो-चार दिन छोड़कर मधुर का चीखना-चिल्लाना, बहू का सुबकना चलता रहा। एक सुबह मधुर मजूमदार ध्यान में डूबी थीं।

'दरवाजा ठीक से बंद करो विमल! पीली बर्र कई दिन से मंडरा रही है यहां। ठंडक देख छत्ता बना लेगी अपने कमरे में।' नई बहू की आवाज मधुर के कानों में पड़ी। वे कंठी-माला छोड़कर खड़ी हो गईं, 'चीकू की बहू ने पीली बर्र किसे बोला?'

पास में बरांडे में मिस्टर मजूमदार बैठे अखबार पढ़ रहे थे। बोले, 'तुम समझ तो गई हो।'

'मतलब, तुम कहना क्या चाहते हो?' मधुर गुस्से से लाल हो गईं। घर में आपातकालीन बैठक बुला ली गई। चीकू की बहू से सवाल-जवाब हुए। नई बहू तो नहीं बोल सकी। चीकू की मां ने बताया, 'चीकू के कमरे में पीली बर्र का छत्ता है। दो दिन पहले पलीता दिखा कर उसे हटाया गया था। एक बर्र वहां लगातार चक्कर काट रही है। बहू ने चीकू को इसलिए कहा होगा।'

मामला सबको समझ में आ गया। बहू के ऊपर उठने वाली अंगुलियां नीचे हो गईं। लेकिन मधुर मजूमदार को संतुष्टि नहीं हो पा रही थी। उन्हें बार-बार लग रहा था कि हो न हो चीकू की बहू ने पीली बर्र उन्हीं को ही बोला है। भरे और भारी मन से रात में मधुर अपने कमरे में पहुंचीं। मिस्टर मजूमदार उनका ही इंतजार कर रहे थे, बोले, 'मधुर, तुमने खाना क्यों नहीं खाया? बेटा बता रहा था। ऐसे तो तुम बीमार पड़ जाओगी।'

'चिंता किसे है। आज मेरी अपनी बहू ने चीकू की बहू का साथ दिया।' लगा मधुर रो देंगी।

'नहीं ऐसा नहीं। उसने सही बात बोली बस।' मिस्टर मजूमदार ने समझाया।

'मैं नहीं मानती।' मधुर यकीन करने के लिए तैयार नहीं थीं।

'मधुर, हमारा जीवन कुएं की आवाज है। तुम याद करो, जब मेरी नई-नई शादी हुई थी। थोड़ा-सा भी काम ज्यादा बढ़ जाने पर या तुम्हारे मन का कुछ न होने पर तुम मेरी मां को बिलौटी और बड़ी दीदी को छिपकली बोल देती थीं। वो भी मेरे ही सामने। मैं कैसे घुट कर रह जाता था।' मिस्टर मजूमदार की दबी पुरानी टीस उबरी। 'मतलब?' मधुर आंखें तरेर कर बोलीं।

'मतलब तो बहुत छोटा और साफ है। करता सो भोगता।' मिस्टर मजूमदार ने साफ-साफ कह दिया। पहली बार मधुर को कोई जवाब नहीं सूझा। बत्ती बुझाकर उन्होंने करवट फेर ली। *

खबर संक्षेप

पीएचक्यू के 7 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से जून में सेवानिवृत्त सात कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को विदाई दी। पुलिस महानिदेशक ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक विजय कटारिया, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, सोनाली मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। जिन अफसरों की सेवानिवृत्ति हुई ह उसमें उप पुलिस अधीक्षक (मानसेवी) डीजीपी कार्यालय डीपी जुगादे, कार्यवाहक कार्यालय अधीक्षक विशेष शाखा शैलबाला चव्हाण, कार्यवाहक निरीक्षक

ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जाए, जिनका दाम बाजार व निर्यात मांग से जुड़ा हो: मुख्यमंत्री

कृषि उपज मंडियों की व्यवस्था के प्रति किसानों का विश्वास बरकरार रहे, वरिष्ठ अफसर करें निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी कलेक्टर कृषि उपज मंडी के संचालन की कड़ी निगरानी करें। कहीं पर भी कृषि उपज मंडी में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित सचिव जिम्मेदार होंगे, उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वेयरहाउस निर्माण व उपयोग के प्रावधानों में किसानों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी संशोधन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कृषक हितग्राही मूलक योजनाओं सहित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा कृषि विविधीकरण के लिए किया जा रहे प्रयासों पर मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव वीरा राणा मौजूद थीं। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, कृषि उत्पादन आयुक्त एसएन मिश्रा, अपर मुख्य सचिव किसान कल्याण अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव वित्त मनीष सिंह और अधिकारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से सीमांत, लघु कृषकों को लाभ मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश जलवायु परिस्थितियों, मिट्टी और फसलों के विविध पैटर्न के साथ संपन्न है। हमारे किसानों की अथक मेहनत से प्रदेश कृषि विकास में सर्वोपरि है। हमारा प्रदेश दलहन व तिलहन के क्षेत्र तथा उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। किसानों की आय में वृद्धि करने तथा कृषि को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक सीमांत, लघु कृषकों को लाभ मिले यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएं। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पौष्टिक श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाने और इसकी पैदावार करने वाले कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

कृषि उपज मंडी में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित सचिव होंगे जिम्मेदार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि उपज मंडियों की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए वरिष्ठ अधिकारी मंडियों के तौल-कांटे, वित्तीय लेन-देन तथा अन्य व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण करें।

कोदो-कुटकी का रकबा बढ़ने से पानी-बिजली का उपयोग कम होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र तुअर के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। कोदो-कुटकी के रकबे को बढ़ाने से पानी-बिजली का उपयोग संतुलित होगा तथा फसल चक्र में भी सुधार होगा। किसानों को कोदो-कुटकी की फसल लेने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। फसल चक्र पर ग्रीष्मकालीन फसल लेने के नकारात्मक प्रभाव से भी कृषकों को अवगत कराना जरूरी है।

प्री-पेड वाउचर ई-रूपी से हो रहा है किसानों को अनुदान भुगतान

फसल विविधीकरण में इथेनॉल उत्पादन, फसल-सब्जी-मसाले आदि के ऑर्गेनिक उत्पादन तथा अश्वगंधा के उत्पादन में सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। किसानों को अनुदान भुगतान का क्रियान्वयन प्री-पेड वाउचर ई-रूपी से किया जा रहा है। किसानों को सस्ते दाम पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में बनाए जाने वाले 5 हजार नए कस्टम हायरिंग सेन्टर्स में से 3 हजार 964 केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से संचालित अन्य हितग्राही योजनाओं में उपलब्धि संबंधी जानकारी भी दी गई।

फसल विविधीकरण को करें प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धान एवं गेहूं के स्थान अन्य लाभकारी फसलें लेने के लिए फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित किया जाए। ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जाए जो सरकारी खरीद पर निर्भर नहीं हों और जिनका दाम बाजार व निर्यात की मांग से जुड़ा हो। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक उर्वरकों को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताते हुए प्रदेश के सभी क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती को विस्तारित करने संबंधित कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

पहचान की अपील

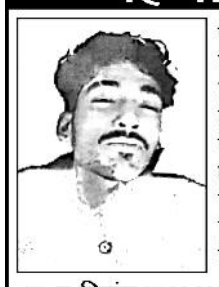

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक मृतक व्यक्ति जिसका **नाम** : नामालूम, **पुत्र** : नामालूम, **पताः** नामालूम, **उम्र** : लगभग 25, साल, **कद** : 5 फुट 7 इंच,, **रंग** : सांवला, **पहचान चिन्हः** दाहिने कान में बाली। **पहनावा** : नीले और काले रंग का पैंट शर्ट पहने हुए है, जो मेन वजीराबाद रोड, निकट कब्रिस्तान, अमर कॉलोनी, दिल्ली के पास मृत मिला। इस संदर्भ में **डी. डी. नं. 17—ए, दिनांक 27.06.2024** थाना ज्योति नगर, दिल्ली मेंदर्ज है। पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अब तक इस मृतक व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृतक व्यक्ति के बारे कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थानाध्यक्ष
थाना : ज्योति नगर, दिल्ली
फोनः 011-22810525, 9868621994
8750870726

DP/8377/NE/2024

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह महिला (फोटो में प्रदर्शित) जिसका **नामः** कमला, **पत्नीः** अज्ञात, **पताः** अज्ञात, **उम्रः** लगभग 60 साल, **लिंगः** महिला, **कदः** 5 फुट , **रंगः** सांवला, **चेहराः** गोल, **शरीरः** सामान्य, **पहनावाः** नारंगी रंग की साड़ी पहने हुए है दिनांक 20.06.2024 समय 1.15 बजे दोपहर को कालकाजी मंदिर के प्रांगण, कालकाजी, दिल्ली थाना अन्तर्गत कालकाजी, दिल्ली पर मृत अवस्था में पायी गयी।

इस संदर्भ में **DD No. 50A, dated 20.06.2024** थाना कालकाजी, दिल्ली में दर्ज है।

हर संभव कोशिश के बाद भी अब तक इस मृतक महिला के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृतक महिला के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थाना प्रभारी
थाना– कालकाजी, दिल्ली
फोनः 011-26430607, 8750870930

DP/8407/SE/2024 (UIDB)

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए संजय झा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कार्यकारिणी बैठक में हुआ फैसला

सांसद संजय झा जनता दल (यू) के कार्यकारी अध्यक्ष बनाये गये हैं। बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार की पार्टी ने यह बडा फैसला लिया है। राज्यसभा सांसद और जदयू संसदीय दल के नेता संजय झा को यह अहम पद देकर पार्टी ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर काम के दबाव को कम करने का कदम उठाया है। नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में हुई जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद सीएम नीतीश कुमार ने पेश किया। कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संजय झा को बधाई दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के सभी शीर्ष नेता मौजूद रहे। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए।माना जा रहा है कि अब झा संगठन से जुड़े कार्यों में प्रमुख भूमिका निभायेंगे और नीतीश सरकार के कामकाज पर ज्यादा ध्यान देंगे। हालांकि जदयू सूत्रों का कहना है कि पार्टी से जुड़े बड़े फैसलों में नीतीश का निर्णय ही सर्वोपरि होगा। बिहार के मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके के अरड़िया गांव के रहने वाले हैं। संजय झा जदयू में आने से पहले भाजपा में थे। ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले संजय झा मिथिलांचल में जदयू के बड़े नेता माने जाते हैं। संजय झा राज्यसभा सांसद और पार्टी के संसदीय दल के नेता हैं। संजय झा ने साल 2014 में दरभंगा से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वह एमएलसी बने और 2014 से 2024 तक बिहार सरकार में मंत्री रहे। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में जदयू की बैठक हुई थी तब ललन सिंह के जगह नीतीश कुमार एक बार फिर से अध्यक्ष बने थे। बिहार में विधानसभा चुनाव को देखते हुए जदयू की इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जदयू की बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारने, आरक्षण की सीमा बढ़ाने भी चर्चा हुई। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नीट पेपर मामले में हुई अनियमितता की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित

जदयू कार्यकारिणी की इस बैठक में बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर भी प्रस्ताव पास हुआ। साथ ही जदयू की ओर से इस बात को लेकर भी प्रस्ताव पास हुआ है कि 2025 का चुनाव बिहार में एनडीए नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, जद-यू ने बिहार में जिन 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 12 पर जीत हासिल की। इसके अलावा, पार्टी को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के हिस्से के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी प्रतिनिधित्व मिला है। जद-यू भाजपा के प्रमुख गठबंधन सहयोगियों में से एक है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद जदयू नेता अशोक चौधरी ने कहा, 'बिहार को विशेष दर्जा और विशेष पैकेज की हमारी मांग पुरानी है और यह आज भी कायम है। हमारे नेता ललन सिंह, संजय झा जो लोकसभा और राज्यसभा में हैं, वे आने वाले समय में प्रधानमंत्री से मिलेंगे और अपनी बात मजबूती से रखेंगे।'जदयू महासचिव केसी त्यागी ने कहा 'सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। राज्यसभा सांसद संजय झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। हम विशेष राज्य का दर्जा और आर्थिक पैकेज के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।'

पेज एक का शेष

प्रदीप मिश्रा ने दंडवत...

ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं। मैं ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा सभा से निवेदन है कि कोई किसी को अपशब्द नहीं कहे केवल राधे-राधे और महादेव कहें।

प्रेमानंद ने भी लगाई थी लताड़ः राधारानी पर की गई टिप्पणी पर प्रेमानंद महाराज ने भी पंडित प्रदीप मिश्रा को फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था कि शास्त्रों का ज्ञान नहीं है। हालांकि बाद में यह कहा गया कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रदीप मिश्रा और प्रेमानंद महाराज के बीच सुलह कराई थी।

चार दिन का मिला था अल्टीमेटमः राधारानी विवाद पर मथुरा महापंचायत में संतों ने पंडित प्रदीप मिश्रा से माफी मांगने की बात कही थी। पंचायत ने कहा था कि वह चार दिन में बरसाना आकर माफी मांगे लें।

श्योक के तेज...

पहुंचे। लेकिन नदी में पानी की अधिकता व तेज प्रवाह की वजह से बचाव अभियान सफल नहीं हुआ और टैंक के चालक दल के सदस्यों की जान चली गई। भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख में परिचालन तैनाती के दौरान अपने पांच बहादुर कर्मियों को खोने पर खेद व्यक्त करती है।

रात में जवानों ...

अपने मूल तैनाती स्थल की ओर लौटते वक्त एक टैंक श्योक नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया और उसमें सवार पांच सैनिकों की मौत हो गई।

आईजीआई के बाद...

इसमें किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार जमा हुए पानी को निकालने के उद्देश्य से रखरखाव कार्य के दौरान शेड टूट गई।

KHELO INDIA
हरियाणा सरकार
GOVT. OF HARYANA
SPORTS DEPARTMENT हरियाणा
www.haryanasports.gov.in

सिलेक्शन ट्रायल आमंत्रण

खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, पंचकूला, हरियाणा

5, 6 और 7 जुलाई, 2024

स्थान : ताऊ देवी लाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-3, पंचकूला, हरियाणा

आयु वर्ग - 12 से 22 वर्ष
(1 अप्रैल, 2024 के अनुसार)

अवसर और सुविधाएं
- अत्यधिक अनुभवी कोच
- खेल साइंस स्टाफ़
- बेहतरीन उपकरण
- बोर्डिंग और लॉजिंग
- शिक्षा और प्रतियोगिता का सुनहरा अवसर

खेल
एथलेटिक्स
बैडमिंटन
मुक्केबाजी

आवेदन-पत्र और अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
पंजीकरण फॉर्म www.haryanasports.gov.in पर उपलब्ध है

सम्पर्क हेतु
एथलेटिक्स - 8384878223
बैडमिंटन - 7696511990
मुक्केबाजी - 9406517370

खेल विभाग, हरियाणा
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

राष्ट्रपति के अभिभाषण के जरिये केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में पीएम मोदी की राजग सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। लेकिन भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। इसलिए मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी अगले चरण के आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। अभिभाषण में महंगाई, मणिपुर हिंसा और घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में आतंकवाद सरीखे मुद्दों को का जिक्र नहीं है। अभिभाषण का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

अभिभाषण में भविष्य का विजन

विश्लेषण

सुशील राजेश

वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है। संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि अभिभाषण को लेकर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन के तौर पर प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित होती है। यह गणतंत्र की एक परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि राष्ट्रपति केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा करते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा का निर्वाह किया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, लेकिन विपक्ष उनसे सहमत नहीं है या ऐसे अभिभाषण को 'ढोलपिटाई' मानता है। विपक्ष उन्हें लीपापोती भी मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन- गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस नई सरकार के जरिये देश के आर्थिक समृद्धि और सुधारों पर अधिक रहा है। यकीनन देश की आर्थिक विकास दर 7-8 फीसदी रही है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक है। भारत जल्द विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिये यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

संवैधानिक प्रावधान

बहरहाल संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति लोकसभा के आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में समवेत संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि राष्ट्रपति अभिभाषण के बिंदुओं पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी व अंत में प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण में कई मुद्दों का उल्लेख किया है। उनमें नीट, पेपर लीक भी एक है, जिस पर राष्ट्रपति ने शुचिता और पारदर्शिता की अपेक्षा की है। उनकी इच्छा है कि पेपर लीक जैसी हरकतों, ऐसे नेटवर्क, माफिया, संगठनों पर एक कड़ा कानून सख्त और दंडात्मक कार्रवाई हो। इस संदर्भ में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सांसदों को काम करना चाहिए, यह राष्ट्रपति मुर्मू का विनम्र आग्रह रहा, लेकिन नीट पर

विपक्ष की ऐसी राजनीतिक जिद सामने आई है कि संसद की कार्यवाही ही ठप हो गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, उपनेता प्रमोद तिवारी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद 'वेल' में आ गए। उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ को उसे 'काला दिन' करार देना पड़ा, क्योंकि पहली बार नेता प्रतिपक्ष 'वेल' में आए थे और उनके साथी सांसद नारेबाजी कर रहे थे। लोकसभा में भी कांग्रेसी सांसद स्पीकर के आसन तक आ गए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने माइक बंद किए जाने का आरोप दोहराया। स्पीकर ने उन्हें समझाया कि राष्ट्रपति अभिभाषण में भी नीट का उल्लेख है। आप अभिभाषण पर बोलें और नीट पर भी अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी अड़े रहे, क्योंकि उन्हें नीट पर राजनीति हासिल करनी थी। सुर्खियां 'माइक बंद' की बनीं।

यह सवाल भी सुर्खियों में

यह सवाल भी सुर्खियों और बहसों में छाया रहा कि पहले राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा की जानी चाहिए थी अथवा नीट, पेपर लीक सरीखे मुद्दे पर चर्चा बहुत जरूरी थी? राष्ट्रपति ने सिर्फ नीट का ही मुद्दा नहीं उठाया, बल्कि मोदी सरकार के आर्थिक विजन पर भी फोकस रखा। बेशक नीट को लेकर सड़कों पर छात्र, युवा आंदोलित, आक्रामक हैं, लेकिन संसद में सन्नाटा पसरा, क्योंकि दोनों सदनों में हंगामे और जिद के कारण कार्यवाही सोमवार तक स्थगित करनी पड़ी। क्या पीठासीन अध्यक्षों को, संसदीय बाध्यता तोड़ते हुए, नीट पर चर्चा की अनुमति दे देनी चाहिए थी? मैं 1997 से संसद की कार्यवाही कवर करता रहा हूं, लिहाजा संसदीय नियमों, परंपराओं, मर्यादाओं को बखूबी जानता और समझता हूं। नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति अभिभाषण पर अपने विचार रखते हुए विस्तार से नीट, पेपर लीक, 37 लाख से अधिक युवाओं के अनिश्चित भविष्य, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भ्रष्टाचार और अपंगता पर बोल सकते थे। समय की कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन राजनीतिक अड़ियलपन ने ऐसा अवरोध पैदा किया कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर संसद का एक पूरा दिन नष्ट हो गया। संभवतः विपक्षी सांसद भी जानते होंगे कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। एक घंटे का खर्च 1.5 करोड़ रुपये है। लोकसभा के एक दिन संचालन पर 9 करोड़ रुपये और राज्यसभा पर 5.5 करोड़ रुपये खर्च होता है। यह पैसा किसी की जिद का नहीं, बल्कि देश के औसत करदाता का है। यह सत्र 3 जुलाई तक का है। प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई को लोकसभा और 3 जुलाई को राज्यसभा को संबोधित करेंगे। उसी के साथ अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। दोनों सदनों के अध्यक्ष सिर्फ नीट व पेपर लीक पर चर्चा के लिए एक पूरा दिन निश्चित कर दें। सत्र को एक दिन के लिए आगे बढ़ा दें। क्या विपक्ष इस पर सहमत होगा?

बजट का प्रारूप भी रखा

बहरहाल राष्ट्रपति मुर्मू ने 18वीं लोकसभा में पेश किए जाने वाले बजट का एक विजन भी रखा कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य के विज़न के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था। यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट करा दिया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट्र के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पर्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए। यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का भी उल्लेख किया है, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक साबित हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है जो किसी महामारी से कम खतरनाक नहीं है। दरअसल जो सड़कें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हॉलमार्क' माना जाता है। ऐसे बुनियादी ढांचे से कुछ गंभीर हादसे भी जुड़े रहे हैं। उनके गर्भ में भ्रष्टाचार मिला है। सरकार उन पर नियंत्रण लाए। यह साख के लिए भी जरूरी है।

लड़ाई अभी लंबी है

यकीनन भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी कई आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, रोज़गार एवं श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार ऐसे लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। खासकर कृषि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को इतना मजबूत करना जरूरी है, ताकि वे व्यापक रोज़गार और नौकरियां पैदा कर सकें और करोड़ों बेरोज़गारों को माकूल काम दिया जा सके। भारत की एक नाजुक और गंभीर समस्या का हल भी उसी से संभव है। उसी से आर्थिक विकास बढ़ता है। सवाल यह भी किया जाना चाहिए कि सरकार ने महंगाई, मणिपुर हिंसा और विदेशी घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में अब भी सक्रिय आतंकवाद और दलित अत्याचार सरीखे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रपति अभिभाषण में शामिल क्यों नहीं किया? राष्ट्रपति मुर्मू से 1975 के आपातकाल को 'काला अध्याय' करार दिलाया गया, संविधान पर सबसे घातक हमला कहलवाया गया, लेकिन इस बिन्दु पर सरकार खामोश क्यों रही कि संविधान बदला नहीं जा सकता। लोकतंत्र भारत की आत्मा में है, जिसे खत्म नहीं किया जा सकता। यदि राष्ट्रपति टिप्पणी करतीं और देश को आश्वस्त करतीं, तो विपक्ष का एक फर्जी नैरेटिव समाप्त किया जा सकता था।

निरंतरता का संदेश दे रही मोदी सरकार

अभिभाषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के अब तक के कार्य व्यवहार को देखते हुए सामान्य तौर पर यह निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता कि इसमें कोई रेखांकित करने वाला मौलिक बदलाव है। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि मेरी सरकार, विकास के साथ ही विरासत पर भी उतना ही गर्व करते हुए काम कर रही है। मोदी सरकार जब भी विरासत की बात करती है उसे हिंदुत्व एवं उसकी विचारधारा से जोड़ा जाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के आरंभ में ये पंक्तियां डाली गई हैं तो साफ है कि सरकार संदेश देना चाहती है कि भले भाजपा को बहुमत नहीं मिला, राजग को मिला, लेकिन यह गठबंधन भी चुनाव पूर्व का है और हमारे कार्यों, हमारी घोषणाओं को स्वीकार करते हुए हुआ है, इसलिए हम उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। किसी साथी दल ने सरकार को पूर्व एजेंडे में कुछ बदलाव करते हुए नए सिरे से न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने की मांग नहीं की है। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं को छोड़कर भाजपा अपने घोषणा पत्र पर ही आगे बढ़ रही है। अभिभाषण में इसकी झलक मिलती है। इसे कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है और यही सरकार के भविष्य की दिशा व दशा काफी हद तक स्पष्ट करने में सहायक होंगे।

चुनाव परिणामों की व्याख्या

इनमें पहला है, 2024 लोकसभा चुनाव के परिणामों की व्याख्या। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ...मेरी सरकार ने 10 वर्षों से सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, ये उस पर मुहर है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। विपक्ष अभिभाषण को चाहे जितना निरर्थक बताए सरकार के लिए महत्वपूर्ण है साथी दलों का किसी प्रकार की आपत्ति न करना। स्पष्ट संदेश है कि जनादेश हमको अपने पूर्व कार्यों और दिशा के आधार पर मिला है, इसलिए हम वही करेंगे जो कर रहे थे।

दूसरा प्रमुख बिंदु

इसका दूसरा प्रमुख बिंदु है, आगामी बजट के बारे में संकेत। राष्ट्रपति के अभिभाषण के द्वारा सरकार ने कहा कि आगामी सत्र में मेरी सरकार अपने इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। भारत के तेज विकास की जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारों की गति अब और तेज की जाएगी। मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। इतनी स्पष्टता के साथ बजट, सुधार, आर्थिक नीति, सामाजिक निर्णय आदि के बारे में बोलने के बाद कोई संदेह नहीं पैदा होता कि सरकार की अर्थ नीति और सुधार गति में रुकावट आएगी या गठबंधन सरकार एवं विपक्ष के दबाव से बदलाव किया जाएगा।

विकास पर प्रभावों की व्याख्या

अभिभाषण का तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु है, अस्थिर सरकारों के देश के विकास पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तृत व्याख्या। अभिभाषण में कहा गया है कि अक्सर विरोधपरक मानसिकता और संकीर्ण स्वार्थ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना का बहुत अहित हुआ है। इसका प्रभाव संसदीय प्रणाली पर भी पड़ता है और देश की विकास यात्रा पर भी पड़ता है। देश में कई दशकों तक अस्थिर सरकारों के दौर में कई सरकारें चाहते हुए भी न सुधार कर पाईं और न ही आवश्यक निर्णय ले पाईं। भारत की जनता ने निर्णायक बनकर इस स्थिति को बदला है। बीते 10 वर्ष में ऐसे अनेक सुधार हुए हैं, जिनका बहुत लाभ देश को आज मिल रहा है।

जब ये सुधार किए जा रहे थे, तब भी इनका विरोध किया गया था, नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन ये सारे सुधार समय की कसौटी पर खरे साबित हुए हैं। आगे भाषण में आप देखेंगे तो भारत के बैंकों को 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड मुनाफे तथा विश्व में बेहतर बैंकिंग व्यवस्था के रूप में चित्रित किया गया है जो अपनी भारतीय नीतियों की सफलता का कहीं उद्घोष है। कुल मिलाकर सरकार ने अस्थिर सरकारों या दूसरे शब्दों में कहें तो गठबंधन सरकारों की आलोचना की है। यह नाम ना लेते हुए कांग्रेस या मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीएस सरकार की आलोचना है। यानी उसे सरकार ने कई प्रकार के दबाव में तथा संकीर्णता के कारण निर्णय करने से बचती रही,आवश्यक कदम नहीं उठाए और सुधार नहीं किए जिससे देश की आर्थिक दशा खराब हुई। बैंकिंग व्यवस्था चरमरा गई। दूसरी ओर जब हमने करना शुरू किया तो इन लोगों ने विरोध किया, गलतफहमी पैदा कर वातावरण को नकारात्मक बनाने की कोशिश की। अगर हमारी नीतियों, कदमों और निर्णयों के अच्छे परिणाम आए तो साफ है ये सब अपनी संकीर्ण मानसिकता और कुत्सित राजनीति के तहत ऐसा कर रहे थे। यह विपक्ष के वर्तमान रवैया पर भी कटाक्ष है।

युवा और शिक्षा नीति पर वक्तव्य

अभिभाषण में चौथा अहम पहलू है, युवा और शिक्षा नीति को लेकर दिया गया वक्तव्य। अभिभाषण के अनुसार सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए ज़रूरी माहौल बनाने में जुटी है। आगे देखिए,'पहले जो विद्यार्थी सिर्फ भारतीय भाषाओं में पढ़ाई करते थे, उनके साथ अन्याय की स्थिति थी। मेरी सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर, इस अन्याय को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं। युवाओं को अब भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का विकल्प भी मिला है।' किसी भी देश के समग्र विकास का आधार शिक्षा नीति ही होती है। विपक्ष ने सरकार की नई शिक्षा नीति की आलोचना की, लेकिन देश ने इसे स्वीकार किया है। हालांकि इसकी गति धीमी रही है, पर इस दिशा में सरकार आगे बढ़ी है। अभिभाषण में घोषणा है कि सरकार एक डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। युवाओं ने इन कदमों का पूरा समर्थन किया है। उदाहरण के लिए इसमें अटल टिंकरिंग लैब्स, स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसे अभियानों को युवाओं का सामर्थ्य बढ़ाने वाला बताते हुए कहा गया है कि इन्हीं प्रयासों से आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बन चुका है।

नीतियों में बदलाव नहीं

राष्ट्रपति के अभिभाषण में अगर शिक्षा नीति का स्पष्ट समर्थन किया गया है तो कम से कम तत्काल यह मानने का कोई कारण नहीं कि आने वाले समय में सरकार अपने पूर्व दिशा को बदलने जा रही है। मोदी सरकार की शिक्षा नीति को ही भगवाकरण और सेकुलर विरोधी तथा हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाला बताया जाता रहा है। इसमें जब बदलाव नहीं होगा तो शेष मामलों में इस तरह के वैचारिक विरोध का माहौल भी नहीं। इस तरह कुल मिलाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि जब हमारी नीतियों का लाभ देश को हर क्षेत्र में मिला है तो हम उसे बदलने वाले नहीं है। अभिभाषण में कहा भी गया है कि हम विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और तीसरी अर्थव्यवस्था बनेंगे तथा हमारा लक्ष्य आगे विश्व की प्रथम श्रेणी का राष्ट्र बनना है। यानी प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा इसी कार्यकाल में तीसरी अर्थव्यवस्था का जो संकल्प व्यक्त किया सरकार उस पर काम करती रहेगी। विदेश नीति में भारत की प्रखरता से लेकर आंतरिक सुरक्षा आदि की प्रशंसा और इस दिशा में बढ़ाने का संकल्प बताता है कि भले सरकार गठबंधन की हो लेकिन इसकी दिशा, गति और चरित्र में नैरंतर्य रखने की कोशिश होगी। विपक्ष क्या कहता है इसका लोकतांत्रिक दृष्टि से संज्ञान लेना सरकार का दायित्व है, किंतु सरकार का बने रहना या उसकी नीतियों का आगे बढ़ना विपक्ष पर नहीं, गठबंधन के साथियों पर निर्भर करता है। ऐसा लगता है कि सरकार के रणनीतिकार मुख्यतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ने गठबंधन के साथियों से स्पष्ट किया है कि हम काम करने के लिए सरकार में आए हैं, भारत का व्यापक और दूरगामी लक्ष्य बनाकर हम जो कर रहे थे उसे आगे बढ़ाएंगे, क्योंकि उसी में देश का भला है। उनसे उनकी राय भी पूछी होगी। इस कारण सरकार अभी निश्चिंतता से आगे बढ़ेगी।

विकास को गति देने का संकल्प

अभिभाषण

नीलम महाजन सिंह

राजनीतिक विश्लेषक

18वीं लोकसभा के संयुक्त संसद सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राजग सरकार का विजन देश के सामने रखा। राहुल गांधी भी विपक्ष के नेता के रूप में इस बार मजबूत भूमिका में है। राष्ट्रपति के संबोधन में अनेक बातें हैं, जिसमें खास संदेश है। इसमें भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। इसमें, हमारी लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का प्रण भी है। यह आवश्यक है कि नीतियों पर सार्थक संवाद होना चाहिए।

देशवासियों का गौरव बढ़ाने वाले अनेक पल आए हैं। दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत सबसे तेजी से विकसित होती हुई 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। अब तीसरी बनने का लक्ष्य है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। सरकार ने सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों - विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर बहुत जोर दिया गया है। गांवों में कृषि आधारित उद्योगों, डेयरी और फिशरीज़ आधारित उद्योगों का विस्तार किया जा रहा है। इसमें भी सहकारिता को प्राथमिकता दी गई है।

आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। हमारे मोटे अनाज - श्री अन्न - की पहुंच सुपरफूड के तौर पर दुनिया के कोने-कोने में हो, इसके लिए भी अभियान चल रहा है। आने वाला समय हरित युग का है। इसके लिए सरकार हर ज़रूरी कदम उठा रही है। हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ रहे हैं, जिससे ग्रीन जॉब्स भी बढ़े हैं। ग्रीन एनर्जी हो या फिर ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर सरकार बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रही है। भारत ग्रीन एनर्जी कर बड़ा हब बनने जा रहा है। सरकार ग्रीन हाईड्रोजन में सरकारी व निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रही है। पूर्वोत्तर के विकास के लिए 10 वर्षों में आबंटन में 4 गुना से अधिक की वृद्धि की है। नॉर्थ ईस्ट में हर तरह की कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, रोजगार, हर क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है।

जुलाई की पहली तारीख से देश में भारतीय न्याय संहिता भी लागू हो जाएगी। अंग्रेजी राज में गुलामों को दंड देने की मानसिकता थी। दुर्भाग्य से आज़ादी के

अनेक दशकों तक गुलामी के दौर की यही दंड व्यवस्था चलती रही।

इसे बदलने की चर्चा अनेक दशकों से की जा रही थी, लेकिन ये साहस भी राजग सरकार ने ही करके दिखाया है। अब दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता होगी, जो हमारे संविधान की भी भावना है। इन नए कानूनों से न्याय प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। आज जब देश, अलग-अलग क्षेत्रों में गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पा रहा है, तब ये उस दिशा में बहुत बड़ा कदम है। और ये स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

आज के समय में एआई समेत टेक्नॉलॉजी हर दिन और उन्नत हो रही है। ऐसे में मानवता के विरुद्ध इनका गलत उपयोग बहुत घातक है। भारत ने विश्व मंच पर भी इन चिंताओं को प्रकट किया है और एक ग्लोबल फ्रेमवर्क की वकालत की है। पिछले 10 वर्षों में जो सुधार हुए हैं, जो नया आत्मविश्वास देश में आया है, उससे हम विकसित भारत बनाने के लिए नई गति प्राप्त कर चुके हैं।

हम सभी को ये हमेशा ध्यान रखना है कि विकसित भारत का निर्माण देश के हर नागरिक की आकांक्षा है, संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि में अवरोध पैदा न हो, ये हम सभी का दायित्व है। नीतियों का विरोध और संसदीय कामकाज का विरोध, दो भिन्न बातें हैं। जब संसद सुचारू रूप से चलती है, जब यहां स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा होती है, जब दूरगामी निर्णय होते हैं, तब लोगों का विश्वास सिर्फ सरकार ही नहीं पूरी व्यवस्था पर बनता है। इसलिए भरोसा है कि संसद के पल-पल का सदुपयोग होगा, जनहित को प्राथमिकता मिलेगी। अभिभाषण में संसद में हंगामा पर चिंता व्यक्त की गई है।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम' से डिजिटल स्पेस और अधिक सुरक्षित होने वाला है। जम्मू-कश्मीर आरक्षण कानून से, वहां भी जनजातीय समुदायों को प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलेगा। परंतु अभी भी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी व अन्य सशक्त पुलिस दल कार्यरत हैं। नीट परीक्षाओं की धांधली का क्या हुआ? नेशनल टेस्ट अथॉरिटी की निष्पक्षता पर अंकुश लग गया है। कोई भी राष्ट्र, तेज़ गति से तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह पुरानी चुनौतियों को परास्त करते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा भविष्य- निर्माण में लगाए। नीति आयोग के अनुसार, सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी ग़रीबी रेखा से बाहर निकले हैं। मानव केंद्रित विकास पर बल देना चाहिए है। हर नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। यही सामाजिक न्याय की हमारी अवधारणा है। संविधान के हर अनुच्छेद का संदेश भी यही है।

हमारे वेदों में हमारे ऋषियों ने हमें 'समानो मंत्रः समितिः समानी' की प्रेरणा दी है। अर्थात, हम एक समान विचार और लक्ष्य लेकर एक साथ काम करें। यही इस संसद की मूल भावना है। हम जब 2047 में आज़ादी की शताब्दी का उत्सव विकसित भारत के रूप में मनाएंगे, तो इस पीढ़ी को भी श्रेय मिलेगा। आज हमारे युवाओं में जो सामर्थ्य है, संकल्पों में जो निष्ठा है, ये इस बात का प्रमाण हैं कि आने वाला दौर भारत का है। ये सदी भारत की सदी है और इसका प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अभिभाषण के अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सबको साथ लेकर चलेगी।

भाजपा हाईकमान पिछले विस चुनाव के नतीजों पर मोलभाव का इच्छुक

आनंद राणा ▶▶ नई दिल्ली

जदयू चाहता है भाजपा से ज्यादा सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ना

पिछले बिहार विस चुनाव में जदयू के लिए नतीजे खास अच्छे नहीं थे। एनडीए में शामिल जेडीयू 115 सीटों पर चुनाव लड़कर केवल 43 सीटें ही जीत पाई थी।

विशेष खबर

- 2020 के विधानसभा चुनाव में 115 सीटों पर लड़कर जदयू ने जीती थी महज 43 सीटें
- भाजपा 110 सीटों पर मैदान में उतरी और 74 पर मारी थी बाजी
- एनडीए के भीतर रोचक रहेगा सीटों का बंटवारा, अनबन होते ही पाला बदल लेते हैं

लोकसभा चुनाव में बिहार में 12 सीटें जीतने के बाद से उत्साहित जदयू की निगाह अब अगले साल होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव पर टिकी है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू के लिए नतीजे कोई खास उत्साहजनक नहीं रहे थे। एनडीए में शामिल रही नीतीश की पार्टी 115 सीटों पर चुनाव लड़कर मात्र 43 सीटें ही जीत पाई थी।

भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटों पर सफलता हासिल की थी। विकासशील इंसान पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़ा और 4 जीती। हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा 7 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी और 4 पर विजय प्राप्त की। एनडीए की इन चार पार्टियों के मुकाबले महागठबंधन में शामिल राजद 144 सीटों पर लड़ी और 75 पर जीत दर्ज की। कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी और महज 19 ही जीत पाई। भाकपा माले लिबरेशन को 19 सीटें मिली और 12 पर सफल रही। भाकपा 6 पर लड़ी और 2 पर कामयाब रही। भाकपा मार्क्सवादी ने 4 सीटों पर चुनाव फाइट किया और 2 अपने खाते में ले पायी।

जाहिर है अबकी बार भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में अपने स्कोर के बलबूते जदयू से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करेगी। ऐसे में नीतीश कुमार की जदयू के सामने भाजपा के बराबर सीटें पाने की चुनौती गठबंधन के भीतर रहेगी। जदयू सूत्रों का कहना है कि हमने लोकसभा चुनाव में 12 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की है, हम पिछले विधानसभा चुनाव की तर्ज पर कम से कम 115 सीटों पर चुनाव लड़ने का हक रखते हैं। दूसरी तरफ भाजपा हाईकमान इस कोशिश में रहेगा कि 115 में से मात्र 43 सीटें जीत पाने के स्ट्राइक रेट को जदयू के सामने रखकर 2025 के विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे पर बात हो। भाजपा की कोशिश रहेगी की नीतीश कुमार की पार्टी जदयू को अगले साल होने वाले चुनाव में 90 सीटों के आसपास देकर मनाया जाए। भाजपा खुद कम से कम 120 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है और बाकी बची 33 सीटों पर एलजेपी, हम और अन्य सहयोगियों लड़ाना चाहती है। नीतीश कुमार को लगता है कि भाजपा को लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने के बाद अब केंद्र में एनडीए की सरकार में जदयू अहम हिस्सा है और अब भाजपा नेतृत्व उसकी किसी मांग को हलके में नहीं ले सकता है। इसी समीकरण के चलते नीतीश चाहते हैं कि जदयू को पिछले विधानसभा चुनाव जितनी सीटें गठबंधन के तहत दी जाएं। जबकि भाजपा हाईकमान की बहुत पुरानी इच्छा है कि बिहार में एक दिन उसका मुख्यमंत्री बने। यह तभी संभव है जब पार्टी के पास सीटों की ताकत हो। हालांकि बिहार के राजनैतिक समीकरण ऐसे हैं कि थर्ड फैक्टर यानि राजद खेल में बड़े खिलाड़ी के तौर पर शामिल है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पता है कि नीतीश कुमार पर ज्यादा दबाव डाला तो वे पाला बदलने में देर नहीं करेंगे। ऐसा नीतीश का रिकार्ड भी रहा है। दरअसल नीतीश किस्मत के धनी हैं और लंबे वक्त से उनके दोनों हाथों में लड्डू रहे हैं। भाजपा से बात बिगड़ती है तो वे लालू यादव की पार्टी राजद से जुगलबंदी कर लेते हैं और राजद से अनबन होती है तो भाजपा से आ मिलते हैं। भाजपा की दिक्कत ये है कि लालू यादव से हाथ नहीं मिला सकती और पूर्ण बहुमत विधानसभा चुनाव में मिल नहीं पाता है। देखना यह है कि अगले साल सीट बंटवारे में भाजपा और जदयू में से कौन इक्कीस साबित होता है।

खबर संक्षेप

सत्तूर के पास फैक्ट्री में विस्फोट, 4 की मौत

विरुधुनगर। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले में सत्तूर के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई। एक घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाना बताया जा रहा है।

मानहानि केस में राहुल को कोर्ट में होना होगा पेश

रांची। मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राहुल पर आरोप तय किया जाएगा। रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट ने आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के लिए राहुल को रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट आना होगा।

सीएम ममता पर मानहानि का मुकदमा दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में सीएम ममता बेनर्जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। ममता ने बोस को लेकर टिप्पणी की थी। ममता ने कहा था कि महिलाओं ने शिकायत की है वे राजभवन में हालिया घटनाओं से जाने से डरती हैं। इसी बयान को लेकर बोस ने मानहानि का मुकदमा किया है।

दो कार की टक्कर होने से 7 की मौत

जालना। महाराष्ट्र के जालना जिले में मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर दो कार की टक्कर होने से 7लोगों की मौत और 3 अन्य घायल हो गए। यह हादसा शुक्रवार रात कदवांची गांव के निकट हुआ। जान गंवाने वाले लोग मुंबई के मलाड और बुलढाणा जिले के निवासी थे। नागपुर से मुंबई जा रही एमयूवी और विपरीत दिशा से आ रही एक कार के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई।

शत्रुघन सिन्हा की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा पिछले दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने जहीर इकबाल के साथ रजिस्टर मैरिज की। बधाइयों और सेलिब्रेशन के बीच बुरी खबर है कि शत्रुघन सिन्हा की तबीयत बिगड़ गई है। वे अस्पताल में एडमिट हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को भी अस्पताल के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो भी सामने आया था।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने की बड़ी कार्रवाई

गुजरात में 7 स्थानों पर छापेमारी और झारखंड से पत्रकार को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले पर सीबीआई ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात में 7जगहों पर छापेमारी की। सीबीआई ने गुजरात के 4 जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद और गोधरा में 7 ठिकानों पर शनिवार सुबह छापा मारा। इससे पहले सीबीआई ने शुक्रवार को झारखंड में एक स्कूल पर छापा मारकर स्कूल के प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य को भी गिरफ्तार किया था। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक को 5 मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए हजारीबाग का सिटी-कोऑर्डिनेटर बनाया गया था।

स्कूल के उप-प्रधानाचार्य इम्तियाज आलम को एनटीए का पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल का केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया था। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने जिले के 5और लोगों से भी पूछताछ की। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पत्रकार जमालुद्दीन अंसारी को कथित तौर पर प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर एक मामला खुद दर्ज किया

4 जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद गोधरा में मारा छापा

एजेंसी ने दर्ज किए 6 मामले

सीबीआई ने नीट के कथित पेपर लीक मामले में 6 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें से एक एफआईआर सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर खुद दर्ज की है। वहीं 5 एफआईआर राज्य सरकारों ने दर्ज की थीं, जिनकी जांच भी अब सीबीआई द्वारा की जा रही है। सीबीआई ने नीट पेपर लीक से जुड़े बिहार, गुजरात के एक-एक मामले और राजस्थान के 3 मामलों की जांच कर रही है।

7 आरोपियों को दिल्ली के कोर्ट में पेश किया, 4 हिरासत में

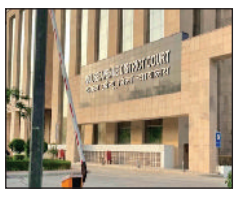

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार सभी 7 आरोपियों को दिल्ली लाया गया। इन अरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। खबर है कि कोर्ट ने 4 आरोपियों को हिरासत में भेज दिया है। वहीं, ईओयू (बिहार पुलिस) द्वारा गिरफ्तार किए गए पटना के बेऊर जेल में बंद सभी 13 आरोपियों से पूछताछ करने के लिए सीबीआई अधिकारियों की एक अलग टीम जाएगी। सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पेपर लीक मामले में छह एफआईआर दर्ज की हैं। एनटीए ने एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन किया था।

प्राचार्य और उप प्राचार्य का मददगार बना था पत्रकार

नीट पेपर लीक में एक तरफ जहां सियासी जंग जारी है। दूसरी ओर सीबीआई ने केस दर्ज करके धड़ाधड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। एजेंसी ने शनिवार को झारखंड के हजारीबाग से एक पत्रकार को गिरफ्तार किया है। पत्रकार का नाम जमालुद्दीन है, जो कि एक हिंदी न्यूज पेपर के लिए काम करता है। उसे ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की कथित तौर पर मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा गुजरात में में भी छापेमारी की है। यह छापेमारी गोधरा पुलिस की एफआईआर के आधार पर की गई है। अधिकारियों के अनुसार ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक उप-प्रिंसिपल इम्तियाज आलम को कथित पेपर लीक में उनकी संदिग्ध भूमिका की वजह से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

राजभर ने शाह को दी सफाई

लखनऊ। पेपर लीक मामले को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर की मुसीबत बढ़ती जा रही है।

गुरुवार को लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ के सामने पेशी के बाद राजभर को दिल्ली तलब कर लिया गया। शुक्रवार को राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर के साथ दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पेपर लीक मामले में अपनी सफाई दी। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे।

तीन नए कानून कल से होंगे लागू

90 दिन में चार्जशीट और मॉब लिंचिंग की सजा मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम 1 जुलाई से प्रभावी हो जाएंगे। इस दिन से दशकों पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनयम बदल जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2023 में इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में पेश किया था। आजादी के पहले बने ये कानून अब तक चल रहे हैं। इसे पीएम मोदी ने पहले ही हटाने का वादा कर चुके थे।

ये होंगे बदलाव

एक जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम हैं। ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनयम की जगह लेंगे। 12 दिसंबर, 2023 को इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद 20 दिसंबर, 2023 को लोकसभा और 21 दिसंबर, 2023 को राज्यसभा से ये पारित हुए। 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को अपनी मंजूरी दी। इस साल 24 फरवरी को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से लागू होंगे।

गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2022 को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन के दौरान देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। शाह ने संसद में बताया था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सांसद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। सरकार ने इस पर 158 बैठकें की हैं।

सीजेआई ने कोलकाता में कहा

कोर्ट को मंदिर और जजों को भगवान मानना 'खतरनाक'

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि जजों को भगवान के बराबर मानने की प्रवृत्ति खतरनाक है, क्योंकि न्यायाधीशों का काम जनहित की सेवा करना है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने ये बातें कहीं। सीजेआई ने कार्यक्रम में कहा कि अक्सर हमें माननीय या लॉर्डशिप या लेडीशिप कहकर संबोधित किया जाता है। जब लोग बोलते हैं कि कोर्ट न्याय का मंदिर है तो यह बहुत बड़ा खतरा है। यह बहुत खतरे की बात है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवताओं के रूप में देखने लगें।

न्यायिक अकादमी का क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित

न्यायाधीश की भूमिका लोगों के सेवक के रूप में होनी चाहिए

सीजेआई ने कहा कि जब उन्हें बताया जाता है कि कोर्ट न्याय का मंदिर है, तो उन्हें संकोच होता है, क्योंकि मंदिर में न्यायाधीशों को देवता की स्थिति में माना जाता है। सीजेआई ने कहा, मैं न्यायाधीश की भूमिका को लोगों के सेवक के रूप में फिर से परिभाषित करना चाहूंगा और जब आप खुद को ऐसे लोग मानते हैं जो दूसरों की सेवा करने के लिए हैं, तो आप करुणा, सहानुभूति, न्याय करने की धारणा लाते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में निर्णयात्मक नहीं होते हैं।

कोयला आयात दर घटी, 2.5% से नीचे

नई दिल्ली। भारत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। इससे चलता है कि कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर 21.48 प्रतिशत रही। पिछले दशक में यह आंकड़ा शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया।

अब वंदे भारत ट्रेन में बहा 'झरना'

वीडियो पर रेलवे ने दी सफाई

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट हादसा अभी ठंडा भी नहीं हुआ है कि वंदे भारत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अब वंदे भारत ट्रेन में बारिश का पानी झरने की तरह बहते हुए देखा गया है। हालांकि इस पर रेलवे ने सफाई दी है। रेलवे ने कहा, ट्रेन को फालना से पहले रोक दिया गया था और पानी के रिसाव की जांच की गई थी।

हिमाचल में एक सप्ताह तक भारी बारिश की चेतावनी

शिमला में बारिश-भूस्खलन का यलो-ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश के कई भागों में एक सप्ताह तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अगले 2 दिन के दौरान प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के राज्य में 5 जुलाई तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान कई भागों में भारी बारिश का येलो-ऑरेंज अलर्ट है।

अब 30 जून, 1 व 2 जुलाई के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शिमला सहित आसपास भागों में आज मौसम खराब बना हुआ है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। औसत अधिकतम तापमान सामान्य रहा।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार दो दिन में पूरे देश में बरसेंगे बदरा

मानसून के आगे बढ़ने के लिए सभी परिस्थितियां अनुकूल

हरिद्वार में 8 गाड़ियां बारिश में बह गईं

हरिद्वार। देशभर में कुछ राज्यों को छोड़कर मानसून लगभग पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से शनिवार को गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे 8 कारें बह गईं।

अगले 48 घंटे में देशभर में मानसून पहुंचने की संभावना

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में पूरे देश में मानसून के पहुंचने का पूर्वानुमान जारी किया है। 4-5दिन तक उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भारी बारिश के संकेत दिए हैं। पूर्वानुमान में कहा गया है कि पूर्वोत्तर भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होगी मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों छोड़कर पूरे देश में पहुंच चुका है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर के अलावा कल उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हुई है।

एमवीए टूटने की कगार पर!

शरद पवार ने उद्धव को सीएम चेहरा मानने से किया इनकार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में अगर एमवीए सरकार सत्ता में आती तो इसका मुख्यमंत्री कौन होगा? इस सवाल का जवाब अभी तक एमवीए के नेताओं या उनके दलों की तरफ से नहीं मिला है। शरद पवार ने उद्धव ठाकरे के एमवीए का सीएम चेहरा मनाने से इनकार कर दिया है। इस बयान के बाद राजनीतिक हल्कों में कई तरह की चर्चाएं हैं।

चर्चा यह भी है कि क्या आखिर एनवीए कुनबा बिखर जाएगा? उद्धव गुट जहां इस बात पर जोर दे रहा है कि उद्धवो महाराष्ट्र में आगामी

विधानसभा चुनावों के लिए एमवीए के सीएमी पद के चेहरे के रूप में पेश किया जाना चाहिए, वहीं एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद ने किसी व्यक्ति को सीएम चेहरे के रूप में पेश करने के विचार को खारिज कर दिया। इस साल के अंत में राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यह मामला परेशानी भरा हो सकता है।

अगर सिर्फ डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें, तो मल्टी-कैप फंड को इस मामले में बेहतर माना जा सकता है, क्योंकि इसके पोर्टफोलियो में हर वक्त लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप सेगमेंट के शेयर शामिल रहते हैं। इसकी वजह से इसे रिस्क-रिटर्न ट्रेड-ऑफ के लिहाज से बेहतर माना जा सकता है, लेकिन अगर आप फंड मैनेजर की समझदारी पर ज्यादा भरोसा करते हैं और निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल एप्रोच यानी लचीलेपन को पसंद करते हैं, तो फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करना बेहतर रहेगा। आप फैसला कुछ भी करें, यह बात जरूर याद रखें कि इन दोनों ही कैटेगरी के फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को पहले कर लेना चाहिए तय

निवेश मंत्रा

निवेश के लिए क्या बेहतर फ्लेक्सीकैप यह मल्टीकैप

बिजनेस डेस्क

निवेश हर कोई करना चाहता है, लेकिन बाजार के उतार चढ़ाव से कई बार डर जाता है। ऐसे में निवेशक को पहले अपनी रिस्क क्षमता को देख लेना चाहिए। इसके बाद ही निवेश की दुनिया में कदम रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को कई बार यह तय करने में उलझन होती है कि अपने पैसे फ्लेक्सी कैप फंड में लगाएं या मल्टी-कैप फंड में। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि दोनों ही तरह के फंड पहली नजर में एक जैसे ही लगते हैं, क्योंकि दोनों फंड्स के जरिए पूरे बाजार के अलग-अलग सेगमेंट के शेयरों में निवेश किया जाता है। इसलिए डायवर्सिफाइड फंड की तलाश कर रहे निवेशकों को इन दोनों ही तरह के फंड्स में से किसी एक का चुनाव करने में थोड़ा कनफ्यूजन होना आम बात है, लेकिन दोनों फंड एक जैसे लगने के बावजूद असल में पूरी तरह एक जैसे नहीं हैं। किस निवेशक को इनमें से किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, यह जानने के लिए दोनों फंड्स के अंतर को समझना जरूरी है। इसके बाद ही इन फंडों में निवेश करना चाहिए। दोनों फंडों की क्षमता, रिस्क और रिटर्न कई मायनों में काफी अलग होते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कौन से फंड निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड में फंड मैनेजर को किसी पाबंदी के बिना लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में आने वाले किसी भी स्टॉक में निवेश करने की पूरी छूट होती है। यह लचीलापन मैनेजर को बाजार की परिस्थितियों के आधार पर अपने हिसाब से अलग-अलग सेगमेंट और सेक्टर के शेयरों में फंड अलोकेट करने की इजाजत देता है। अगर फंड मैनेजर को लगता है कि लार्ज कैप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे फंड का एक बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप स्टॉक में अलोकेट कर सकते हैं। इसी तरह, जरूरत पड़ने पर मिड-कैप या स्मॉल-कैप स्टॉक में भी फंड अलोकेशन कम या ज्यादा कर सकते हैं।

यह भी जान लीजिये

फ्लेक्सी कैप फंड्स की तुलना में मल्टी कैप फंड्स की संख्या काफी कम है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ साल पहले सेबी ने मल्टी कैप फंड की परिभाषा में बदलाव करके फंड एलोकेशन को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप में बांटना जरूरी कर दिया, तो बहुत सारे फंड्स कैटेगरी बदलकर फ्लेक्सीकैप में चले गए। इन फंड्स ने ऐसा इसलिए किया, ताकि अपनी निवेश रणनीति में लचीलापन बनाए रखा जा सके।

मल्टी-कैप फंड

मल्टी-कैप फंड के पूरे पोर्टफोलियो में, लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप तीनों सेगमेंट के शेयरों को शामिल करना जरूरी है। फंड मैनेजर को इनमें से हर सेगमेंट में हर वक्त कम से कम 25 फीसदी अलोकेशन बनाए रखना पड़ता है। यानी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक में से हरेक में 25-25 फीसदी निवेश रखना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि मल्टी-कैप फंड में डायवर्सिफिकेशन का लेवल हमेशा बना रहे।

क्या दोनों फंडों में फर्क

मल्टीकैप फंड के पोर्टफोलियो में 25-25 फीसदी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक बनाए रखने की वजह से जो अनिवार्य डायवर्सिफिकेशन होता है, वही इसे फ्लेक्सी कैप फंड से अलग करने वाला सबसे बड़ा फर्क है। इस अनिवार्यता की वजह से मल्टीकैप फंड में लार्ज कैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप की मौजूदगी भी हमेशा ही बनी रहती है, जबकि फ्लेक्सीकैप फंड के लिए ऐसा करना जरूरी नहीं है। फ्लेक्सीकैप फंड का मैनेजर चाहे तो पूरा इक्विटी निवेश सिर्फ लार्जकैप में भी कर सकता है या उसे लार्ज और मिडकैप में बांटकर स्मॉलकैप से दूर रहने का फैसला भी कर सकता है, लेकिन मल्टीकैप फंड के मैनेजर के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं है।

डायवर्सिफिकेशन भी जरूरी

डायवर्सिफिकेशन किसी भी निवेश पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सही तरीके से किया गया डायवर्सिफिकेशन आपके पोर्टफोलियो के परफॉरमेंस को काफी बेहतर बना सकता है। म्यूचुअल फंड के मामले में मल्टी-कैप और फ्लेक्सी कैप दोनों फंड आपके निवेश को डायवर्सिफाई करने यानी उसमें विविधता लाने में मददगार साबित हो सकते हैं। हमने ऊपर यह भी देखा कि डायवर्सिफिकेशन के लिहाज से दोनों फंड्स में क्या फर्क है। इसे देखते हुए ही आपको एक निवेशक के रूप में तय करना होगा कि आपके लिए कौन सा फंड बेहतर रहेगा।

पिछला प्रदर्शन

मल्टी-कैप फंड और फ्लेक्सी कैप फंड के पिछले प्रदर्शन की तुलना करें तो पता चलता है कि दोनों कैटेगरी के फंड्स के औसत सालाना रिटर्न में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट के मुताबिक टॉप 10 फ्लेक्सी कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में 16.11 फीसदी से 21.88 फीसदी के बीच सालाना रिटर्न दिया है। पिछले 5 साल में इस कैटेगरी के टॉप 10 फंड्स का रिटर्न 19.96 फीसदी से 34.22 फीसदी के बीच रहा है। एएमएफआई की वेबसाइट के मुताबिक इस वक्त मल्टी कैप कैटेगरी में सिर्फ 6 ऐसे फंड हैं, जिनका पिछले 10 साल का रिकॉर्ड उपलब्ध है और इस दौरान इन फंड्स ने 16.46 फीसदी से 22.79 फीसदी के बीच औसत सालाना रिटर्न दिया है। वहीं, जिन 8 मल्टी कैप फंड्स के पिछले 5 साल के प्रदर्शन का रिकॉर्ड एएमएफआई की वेबसाइट पर मौजूद है।

कब डबल होंगे पैसे: *आपकी बचत के पैसे दोगुने कब होंगे इसकी गणना का एक आम नियम काफी प्रचलित है। ये नियम रूल 72 है। फाइनेंस में इसका खूब इस्तेमाल होता है। रूल 72 के जरिए आप यह जान सकते हैं कि आपके निवेश के पैसे कितने समय में दोगुने हो जाएंगे।*

इस फॉर्मूले से करेंगे निवेश तो 7 साल 2 माह में डबल

बिजनेस डेस्क। अगर आप भी कम समय में करोड़पति बनना चाहते हैं या अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको भी यह नियम अपना लेना चाहिए। इससे आप आसानी से पैसा बटोर सकेंगे और कम समय में ही अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। ज्यादातर जानकारों का कहना है कि अगर वजन कम करना है तो कम खाइए और ज्यादा व्यायाम कीजिए, पैसों का मामला भी कुछ ऐसे ही है। खर्च कम कीजिए और ज्यादा बचत कीजिए तो आपका पास अच्छा खासा बैंक बैलेंस होगा। रिटायरमेंट या दूसरे फाइनेंशियल टारगेट के लिए आप जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे। लक्ष्य के करीब आने तक आप उतने ही धनवान होंगे। इसके लिए सबसे सटीक फॉर्मूला है। रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में आपका पैसा डबल हो जाएगा। यही नहीं अगर पैसे को इन्वेस्ट रखा जाए तो तीन गुना या फिर चार गुना भी बढ़ाया जा सकता है।

कम्पाउंड इंट्रस्ट करेगा हेल्प

आपको सिर्फ अपनी बचत की निरंतरता बनाए रखनी है और बाकी का काम चक्रवृद्धि ब्याज (कम्पाउंड इंट्रस्ट) समय के साथ करता रहेगा। चक्रवृद्धि का फायदा लॉन्ग टर्म में देखते ही बनता है और यह लंबी अवधि में आपको करोड़पति बनाने में भरपूर काम करता है। इसलिए जब भी निवेश की गाड़ी स्टार्ट करें, निवेश का लंबा लक्ष्य रखें, मसलन बच्चों की शादी, शिक्षा या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग। ऐसे लक्ष्य लेकश्लंबी अवधि के लिए निवेश शुरू करेंगे तो आप आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे और अच्छा खासा रिटर्न प्राप्त कर लेंगे और देखते ही देखते अपने सभी गोल पूरे कर सकेंगे।

कम्पाउंड इंट्रस्ट कैसे करता है काम

अब जानकारी लेते हैं कि आखिर यह कम्पाउंड इंट्रस्ट काम कैसे करता है। यानी यह आपको अमीर बनाने की क्षमता कैसे रखता है। मान लीजिए आप 100 रुपये कहीं जमा करते हैं और उस पर सालाना 10% का ब्याज मिलता है। एक साल बाद आपके पास 110 रुपये होंगे। अगले वर्ष चक्रवृद्धि के कारण आपको 110 रुपये पर 10% का ब्याज मिलेगा और आपके पैसे बढ़ कर 121 रुपये हो जाएंगे। फिर अगले वर्ष 121 रुपये पर 10% ब्याज प्राप्त होगा।

- पैसा बढ़ाने का सबसे सटीक नियम, करें अप्लाई
- यह नियम आपको जल्द बना सकता है करोड़पति
- रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में कैस डबल होंगे

सेवानिवृत्ति के बाद ठाठ से कटेगा बुढ़ापा, नहीं होगी परेशानी

10 साल एक्सटेंड कराने पर पेंशन 130% बढ़ी

- नेशनल पेंशन सिस्टम बुढ़ापे के लिए बढ़िया विकल्प
- 18 साल से 70 साल की उम्र का नागरिक खुलवा सकता है

एनपीएस को 5 साल कर दें एक्सटेंड 50% से ज्यादा बढ़ेगी मंथली पेंशन

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) केंद्र सरकार की एक पेंशन योजना है, जिसमें रिटायरमेंट को ध्यान में रखकर निवेश किया जा सकता है। यह बुढ़ापे लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। नेशनल पेंशन सिस्टम में कोई भी 18 साल से 70 साल की उम्र का भारतीय नागरिक (सरकारी कर्मचारी या निजी सेक्टर का कर्मचारी) अकाउंट खुलवा सकता है। एनआरआई भी इसके लिए योग्य हैं। अकाउंट खुलने के बाद 60 साल की उम्र तक या मैच्योरिटी तक यानी 70 साल तक इसमें कंट्रीब्यूट करना होता है। अगर एनपीएस की रिटर्न हिस्ट्री देखें तो अब तक इसने 8% से 12% सालाना रिटर्न दिया है। आमतौर पर एनपीएस में 60 की उम्र होने तक लक्ष्य बनाकर निवेश करने का ट्रेंड है, लेकिन अगर इसे 5 साल के लिए और एक्सटेंड कर दें तो मंथली पेंशन में 50 फीसदी से ज्यादा इजाफा हो सकता है। वहीं, अगर अकाउंट को 10 साल के लिए एक्सटेंड कर दिया जाए तो मंथली पेंशन में 130 फीसदी का इजाफा होगा. वहीं दोनों ही केस में रिटायरमेंट पर मिलने वाली लम्प सम रकम भी बढ़ जाएगी। हालांकि यह ध्यान रखना होगा कि 60 साल की उम्र के बाद कुछ इनकम का जरिया हो, जिससे आपको इस योजना को एक्सटेंड करने की सुविधा मिल जाए।

50,000 रुपये तक मिलता है। कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस के टियर-1 अकाउंट्स में निवेश करके 50,000 रुपये तक एडिशनल डिडक्शन का फायदा ले सकता है। इस तरह कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस में इनवेस्ट करके एक फाइनेंशियल ईयर में 2 लाख रुपये के ओवरऑल टैक्स बेनेफिट को क्लेम कर सकता है। 2 लाख रुपये की लिमिट के ऊपर एंप्लॉयर की तरफ से किए गए किसी कंट्रीब्यूशन पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत डिडक्शन का फायदा मिलेगा।

कैलकुलेशन से पता चलता है कि नेशनल पेंशन सिस्टम में अगर 60 साल की बजाए 70 साल की उम्र तक निवेश जारी रखें तो मंथली पेंशन में करीब 130 फीसदी का इजाफा (76,973 रुपये से बढ़कर 1,76,990 रुपये) हो रहा है।

एनपीएस पर टैक्स बेनेफिट

एनपीएस में निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तीन अलग-अलग सेक्शंस के तहत टैक्स बेनेफिट मिलता है। सेक्शन 80सीसीडी 1) के तहत एक फाइनेंशियल ईयर में इसमें 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर डिडक्शन बेनेफिट मिलता है। यह डिडक्शन, सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की ओवरऑल लिमिट में आता है। एनपीएस पर सेक्शन 80सी डिडक्शन के ऊपर भी अतिरिक्त टैक्स छूट का फायदा मिलता है। यह एडिशनल डिडक्शन सेक्शन 80सीसीडी (1बी) के तहत

60 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- A एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- A मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- A निवेश की अवधि : 35 साल
- A 35 साल में कुल निवेशः 42 लाख
- A निवेश पर अनुमानित रिटर्नः 8% सालाना
- A 35 साल पर कुल कॉर्पसः 2,30,91,751 रुपये (2.31 करोड़)
- A एन्युटी प्लान में निवेशः 50%
- A लम्प सम वैल्यूः 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- A पेंशन योग्य वेल्थः 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- A एन्युटी रिटर्नः 8 फीसदी
- A मंथली पेंशनः 76,973 रुपये (करीब 77 हजार रुपये)

65 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- A एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- A मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- A निवेश की अवधि : 35 साल
- A 40 साल में कुल निवेशः 48 लाख रुपये
- A निवेश पर अनुमानित रिटर्नः 8% सालाना
- A 40 साल पर कुल कॉर्पसः 3,03,42,813 रुपये (3 करोड़)
- A एन्युटी प्लान में निवेशः 50%
- A लम्प सम वैल्यूः 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- A पेंशन योग्य वेल्थः 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- A एन्युटी रिटर्नः 8 फीसदी

70 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- A एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- A मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- A निवेश की अवधि : 45 साल
- A 45 साल में कुल निवेशः 54 लाख रुपए
- A निवेश पर अनुमानित रिटर्नः 8% सालाना
- A 45 साल पर कुल कॉर्पसः 5,30,97,035 रुपये (5.30 करोड़)
- A एन्युटी प्लान में निवेशः 50%
- A लम्प सम वैल्यूः 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- A पेंशन योग्य वेल्थः 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- A एन्युटी रिटर्नः 8 फीसदी
- A मंथली पेंशनः 1,76,990 रुपये (1.77 लाख रुपये)

अगर आपके पास 20 साल का वक्त है तो आपको एक करोड़ जुटाने के लिए हर महीने केवल 10,880 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह अगर आप 25 साल के लिए निवेश करते हैं, तो मासिक निवेश राशि घटकर 5,880 रुपये हो जाती है। जैसे-जैसे आपकी निवेश अवधि बढ़ती है, आपको कम रकम निवेश करनी पड़ती है। अगर आपको ज्यादा रिटर्न मिलता है तो एक करोड़ रुपये तक पहुंचने में कम समय लगेगा।

कैसे बनेंगे करोड़पति

हर महीने कितना करना होगा निवेश

क्या कहते हैं आंकड़े

वार्षिक रिटर्न	अवधि (वर्ष)	एसआईपी राशि (रु.)
12%	10	44,640
12%	15	21,020
12%	20	10,880

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनना हर किसी का सपना होता है। लेकिन, इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए सही निवेश करना बहुत जरूरी है। इक्विटी म्यूचुअल फंड एक ऐसा निवेश विकल्प है जो आपको एक करोड़ रुपये के सपने को पूरा करने में मदद कर सकता है। अगला सवाल यह उठता है कि आपको कितना निवेश कितने समय के लिए करना होगा। यह ध्यान रखें कि आप कहीं भी निवेश करें, रातोंरात करोड़पति नहीं बन जाएंगे। इसमें समय लगेगा। इसके लिए आपको अनुशासन की जरूरत होगी। आपको नियमित रूप से निवेश करना होगा। नियमित रूप से अनुशासित निवेश करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को चुनना। यह न केवल एकमुश्त बड़ी रकम बनाने में मदद करता है, बल्कि आपको छोटी शुरुआत करने और धीरे-धीरे इसे बढ़ाने की इजाजत भी देता है। यहां तक कि अगर आप 1,000 रुपये के मासिक निवेश के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी शुरू करते हैं तो आप 10 सालों में 2.2 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। यह मानते हुए कि आपको 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, एसआईपी में एक छोटा सा निवेश भी लंबी अवधि में आपके धन को जबर्दस्त तरीके से बढ़ा सकता है।

इन बातों पर करता है निर्भर

आपको हर महीने कितना निवेश करने की जरूरत है यह तीन प्रमुख बातों पर निर्भर करेगा- रिटर्न, समयसीमा और जोखिम उठाने की क्षमता। रिटर्न जो आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड से मिलेगा। आपके निवेश की समयसीमा वह समय होगा, जिसके भीतर आप अपने लक्ष्य को पाना चाहते हैं। वहीं, जोखिम उठाने की क्षमता से मतलब यह है कि आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। चूंकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में डेट निवेश की तुलना में अधिक जोखिम होता है, इसलिए यह लंबी अवधि के निवेश के लिए सही है। यह और भी बेहतर है कि अगर आप कम से कम सात साल के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप जितने लंबे समय तक निवेश को बनाए रहेंगे, अस्थिरता का जोखिम उतना ही कम होगा।

कितना निवेश करें

मान लेते हैं कि आपको अपने म्यूचुअल फंड निवेश से 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। इसके आधार पर हम कैलकुलेशन करेंगे कि 10 साल, 15 साल, 20 साल, 25 साल में 1 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पाने के लिए आपको हर महीने कितना निवेश करना होगा। याद रखें कि म्यूचुअल फंड से रिटर्न के बारे में कोई गारंटी नहीं है। पिछले रिटर्न का इस्तेमाल सिर्फ रेफरेंस में किया जाता है ताकि यह कैलकुलेट किया जा सके कि आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। 10 साल में म्यूचुअल फंड निवेश (वार्षिक रिटर्न 12%) से 1 करोड़ कमाने के लिए आपको इस पूरी अवधि के दौरान हर महीने 44,640 रुपये का निवेश करना होगा। अगर आप इंवेस्टमेंट हॉरिजन को पांच साल और बढ़ाकर 15 साल कर सकते हैं तो आपको एक महीने में 21,020 का निवेश करना होगा। अगर आप पांच साल और प्रतीक्षा कर सकते हैं तो आपका मासिक निवेश काफी कम हो जाएगा।

खत्म हुआ बरसों का इंतजार, भारत ने अफ्रीका को हराकर कब्जाया खिताब

टी-20 विश्व कप में 7 रन से जीत दर्ज कर इतिहास रचा

पहली बार पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही भारतीय टीम

भारत ने दूसरी बार जीता टी-20 विश्व कप

पहले महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2007 में जीता था खिताब

भाषा ⏭ ब्रिजटाउन

भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर टी20 विश्व कप जीत लिया। पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में अधूरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित शर्मा की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखें भी छलछला गई। इस आईसीसी खिताब के लिये 11 साल लंबा इंतजार जो था और जीत के नायक रहे विराट कोहली जिन्होंने जीत के साथ ही टी-20 क्रिकेट को अलविदा भी कह दिया। भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीता था और आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम आस्ट्रेलिया से हार गई थी। पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला। जवाब में हेनरिच क्लासेन (27 गेंद में 52 रन) ने एक समय दक्षिण अफ्रीका को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन भारत ने हार की कगार पर पहुंचकर जीत दर्ज की। पिछले छह महीने से क्रिकेटप्रेमियों के कोपभाजन रहे हार्दिक पंड्या ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिये। दक्षिण अफ्रीका की टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी। अगला टी20 विश्व कप नहीं खेलने वाले विराट और रोहित के चेहरे पर जीत का इत्मीनान था। इसके साथ ही कोच राहुल द्रविड़ को भी शानदार विदाई मिली। भारतीय तेज गेंदबाजों ने दो शुरूआती विकेट जल्दी निकाले जिसके बाद क्विंटोन डिकॉक (31 गेंद में 39 रन) और ट्रिस्टन स्टब्स (27 गेंद में 52 रन) ने 58 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को मैच में लौटाया।

भारत-176/7 (20)

खिलाड़ी	रन
रोहित का क्लासेन बो महाराज	9
कोहली का रबाडा बो जेनसन	76
पंत का डिकॉक बो महाराज	0
सूर्यकुमार का क्लासेन बो रबाडा	3
अक्षर पटेल रन आउट	47
शिवम दुबे का मिलर बो नॉर्किया	27
हार्दिक पंड्या नाबाद	5
जडेजा का महाराज बो नॉर्किया	2
अतिरिक्त : छह रन	
कुल योग : 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन	
विकेट पतन : 1-23, 2-23, 3-34, 4-106, 5-163, 6-174, 7-176	
गेंदबाजी: जेनसन 4-0-49-1, महाराज 3-0-23-2, रबाडा 4-0-36-1, माक्रम 2-0-16-0, नॉर्किया 4-0-26-2, शम्सी 3-0-26-0	

अफ्रीका-169/8 (20)

खिलाड़ी	रन
रीजा हेंडरिक्स बो बुमराह	4
डिकॉक का कुलदीप बो अर्शदीप	39
माक्रम का पंत बो अर्शदीप	4
ट्रिस्टन स्टब्स बो पटेल	31
क्लासेन का पंत बो पंड्या	52
मिलर का यादव बो पंड्या	21
मार्को जेनसन बो बुमराह	2
केशव महाराज नाबाद	2
रबाडा का यादव बो पंड्या	4
एनरिच नॉर्किया नाबाद	1
अतिरिक्त : नौ रन	
कुल योग: 20 ओवर में आठ विकेट पर 169 रन	
विकेट पतन: 1-7, 2-12, 3-70, 4-106, 5-151, 6-156, 7-161, 8-168	
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-20-2, बुमराह 4-0-18-2, पटेल 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-45-0, पंड्या 3-0-20-3, जडेजा 1-0-12-0	

खबर संक्षेप

विंबलडन: नागल का सामना मियोमिर से

लंदन। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है।

प्रज्ञानानंदा ने तीसरे दौर में डी गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गए। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत ने बनाए 603 रन, महिला टेस्ट क्रिकेट में यह सबसे बड़ा टीम स्कोर

एजेंसी ⏭ चेन्नई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन आस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की। आस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरुआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है। जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया।

दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 236/4

मारिजेन काप और सुने लुस के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 236 रन बना लिए। काप दिन का खेल खत्म होते समय 125 गेंद में आठ चौकों की मदद से 69 रन बनाकर खेल रही थी। उन्हें लुस का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 164 गेंद की पारी में छह चौकों और एक छक्का की मदद से 65 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका अब भी पहली पारी में भारत से 367 रन पीछे है। भारत के लिए स्नेह राणा ने तीन जबकि दीप्ति शर्मा ने एक विकेट हासिल की।

हॉकी इंडिया ने की कोर संभावित ग्रुप की घोषणा

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में सोमवार से शुरू होने वाले दो महीने लंबे ट्रेनिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय भारतीय महिला संभावित ग्रुप की घोषणा की। लंदन और एंटवर्प में एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र में अपने सभी मैच हारने के बाद भारतीय टीम संक्षिप्त ब्रेक पर थी। भारतीय टीम पिछले महीने एंटवर्प में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ सभी चार मैच गंवा बैठी थी। उसे लंदन में जर्मनी (1-3) और ब्रिटेन (2-3) से भी हार का सामना करना पड़ा था।

ब्रिंदा-दीपा 'यूके-इंडिया अवार्ड' से सम्मानित

एजेंसी ⏭ लंदन

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और पैरालंपियन दीपा मलिक को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले भारतीयों के सम्मान के लिए आयोजित एक समारोह में विशेष पुरस्कार से नवाजा गया है। लंदन में गुरुवार शाम को आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम' के वार्षिक 'यूके-इंडिया अवार्ड्स 2024' में सकारात्मक सामाजिक बदलाव के लिए अरुणाचलम मुरुगनाथम 'ग्लोबल इंडियन आइकॉन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उनके साथ-साथ खेल के इन दिग्गजों को सम्मानित किया गया।

मुरुगनाथम के जीवन पर 2018 में अक्षय कुमार की फिल्म 'पैडमैन' रिलीज हो चुकी है। इस मौके पर बिंद्रा ने उम्मीद जताई की भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में अच्छा करेंगे। उन्होंने कहा, 'टोक्यो में हमने सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मुझे उम्मीद है कि पेरिस में हमारा प्रदर्शन उससे बेहतर होगा। उम्मीद है कि हम अपनी पहली महिला ओलंपिक चैंपियन को देखेंगे।' भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता और भारत की पैरालंपिक समिति की पूर्व अध्यक्ष डॉ. दीपा मलिक ने कहा, 'पैरालंपिक में भारत का पेरिस 2024 में प्रदर्शन टोक्यो से बेहतर होगा। हम अधिक खेल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। पिछली बार हमने नौ खेलों में भाग लिया था, इस बार हम 12 खेलों में भाग ले रहे हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। हमें वहां पदक संख्या बढ़ने की अधिक संभावना दिखती है।'

विनिसियस के दो गोल से ब्राजील ने पराग्वे को रौंदा

लास वेगास। विनिसियस जूनियर के पहले हाफ में किए गए दो गोल की मदद से ब्राजील ने कोपा अमेरिका कप ग्रुप डी के फुटबॉल मैच में पराग्वे को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने का अपना दावा मजबूत किया। ब्राजील के लिए सावित्नो ने पहले हाफ में गोल भी किया और लुकास पाक्वेटा ने दूसरे हाफ में पेनल्टी किक पर गोल किया। पराग्वे के लिए उमर एल्डेरेटे ने गोल किया। विनिसियस ने मैच के 35वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला जबकि साबियो ने 43वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। विनिसियस ने मध्यांतर से ठीक अपने दूसरे गोल के साथ मैच पर ब्राजील का दबदबा बना दिया।

लंबी उड़ान के बाद पिच 'जेट लेग' से उबर नहीं पाई

अमेरिका में 'ड्रॉप इन' पिचों के कारण कम रन बने : गेल

एजेंसी ⏭ ब्रिजटाउन

वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज और टी20 विश्व कप के दूत क्रिस गेल ने टूर्नामेंट के अमेरिका चरण में कम स्कोर वाले मैचों के लिए पिचों को जिम्मेदार ठहराया जो 'ड्रॉप इन' के बाद पूरी तरह तैयार नहीं हो सकीं।

आईसीसी के मुताबिक न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल किया गया था। इन पिचों को ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में तैयार कर दिसंबर 2023 में फ्लोरिडा लाया गया था। गेल ने कहा कि लंबी उड़ान के बाद पिच 'जेट लेग' से उबर नहीं पाई थीं। 'जेट लेग' का आमतौर पर मतलब लंबी उड़ान या यात्रा से होने वाली थकान होता है, गेल का मानना था कि न्यूयॉर्क की पिचों को 'ड्राप इन' के बाद तैयार होने का पूरा समय नहीं मिला। फ्लोरिडा से ट्रकों की मदद से इन पिचों को न्यूयॉर्क लाया गया था। ये पिचें टूर्नामेंट के दौरान बल्लेबाजी के लिए कठिन विकेटों में से एक साबित हुई थी। गेल ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह कम स्कोर वाला विश्व कप रहा है और कभी-कभी विकेट भी धीमा हो जाता है। यह बल्लेबाजों का प्रारूप है... लेकिन इस टूर्नामेंट में समय-समय पर गेंदबाजों को बढ़त मिलती रही है। इस टी20 विश्व कप पर गेंदबाजों का काफी नियंत्रण रहा है। हम बेहतर पिचें देखना पसंद करेंगे। अमेरिका की पिचें 'जेट लेग' की तरह थीं। पिचों को ऑस्ट्रेलिया से लाने के बाद परिस्थितियों से तालमेल बिठाने का समय नहीं मिला। इसलिए हमने कुछ कम स्कोर वाले मैच देखे।'

आईसीसी की सराहना

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ने हालांकि अमेरिका में खेल को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए आईसीसी की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आईसीसी ने शानदार काम किया। ट्रॉफी का अमेरिका दौरा और फिर वहां मैचों के आयोजन से खेल को बढ़ावा देना शानदार है। उन्होंने क्रिकेट को उस जगह पहुंचाया जहां फुटबॉल, बास्केटबॉल और बेसबॉल काफी लोकप्रिय है। उन्होंने विपणन के दृष्टिकोण से बहुत अच्छा काम किया है।'

मालविका ने किया उलटफेर, क्रिस्टी को हराकर अंतिम-4 में बनाई जगह

एजेंसी ⏭ फोर्ट वर्थ

भारतीय खिलाड़ी मालविका बंसोड ने स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमौर पर तीन गेम की रोमांचक जीत से अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

नागपुर की 22 साल की मालविका ने 2014 राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता क्रिस्टी को 10-21, 21-15, 21-10 से शिकस्त दी। 49वीं रैंकिंग की मालविका ने हायलो ओपन 2022 में क्रिस्टी को हराया था जब स्कॉटलैंड की शटलर ने चोट के कारण दूसरे गेम में रिटायर होने का फैसला किया था। भारतीय खिलाड़ी इससे पहले क्रिस्टी से दो बार हार चुकी हैं। इस साल अजरबेजान अंतरराष्ट्रीय चैलेंजर जीतने वाली भारतीय खिलाड़ी का सामना अब जापान की छठी वरीय नातसुकी निडाइरा से होगा। पुरुष एकल में प्रियांशु राजावत ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन वह चीन के चौथे वरीय लेई लान जि की चुनौती पार नहीं कर सके और लगभग एक घंटे में 21-15, 11-21, 18-21 से हार गए।

सूचना

हम, शंकर बंसल व बबिता बंसल निवासी डी-2/32, बुध विहार फेस-1, दिल्ली-110086 बयान करते हैं कि हमारा पुत्र तुषार बंसल हमारे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये हम इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कतर से मिराज 2000 लेने के लिए भारत कर रहा बात

तुर्की और ताइवान के एफ-16 को मात दे चुका है मिराज फाइटर

भारत ने कतर से 12 मिराज लड़ाकू विमानों की पेशकश की, अगर सौदा होता है तो भारत के पास मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी

एजेंसी ▶▶ दोहा

हाल ही में कतर ने भारत को एक दर्जन मिराज 2000 फाइटर जेट देने की पेशकश की है। मिराज लड़ाकू विमानों ने कारगिल युद्ध और बालाकोट एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। कतर की पेशकश ऐसे समय में आई है, जब भारतीय वायु सेना विमानों की कमी को भरने के लिए प्रयासरत है। बीते 21 जून को कतर के एक प्रतिनिधिमंडल ने विमानों की बिक्री को लेकर दिल्ली में भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ चर्चा की। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, कतर ने 5000 करोड़ रुपए (600 मिलियन डॉलर) में 12 मिराज 2000 विमानों की पेशकश कर रहा है, जबकि भारत उन्हें अधिक उचित मूल्य पर प्राप्त करने के लिए इच्छुक है।

मिराज के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स

साल 2021 में एक फ्रांसीसी फर्म के साथ हुए सौदे की बदौलत भारतीय वायुसेना के पास अपने विमानों के रखरखाव के लिए पर्याप्त स्पेयर पार्ट्स और उपकरण हैं। ऐसे में अगर कतर से सौदा हो जाता है, तो आईएएफ के बेड़े में मिराज 2000 की संख्या 60 हो जाएगी। मिराज को चार दशक पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था और यह आज भी मुख्य विमानों में से एक है। राफेल के शामिल होने से पहले तक मिराज-2000 दुश्मन के इलाके में हमला करने के लिए सबसे पसंदीदा और शक्तिशाली भारतीय जेट था। 1985 में शामिल होने के बाद से यह भारत के लिए भरोसेमंद विमान रहा है।

तुर्की के विमान को मिराज ने मार गिराया

8 नवंबर, 1996 को एक ग्रीक मिराज-2000 ने आर 550 मैजिक-2 मिसाइल दागी जिसने चियोस द्वीप के पास विवादित एजियन सागर के ऊपर एक तुर्की एफ-16डी को मार गिराया। तुर्की के दो एफ-16 और चार एफ-4 एजियन सागर के ऊपर शत्रु वायु रक्षा (समुद्र) प्रशिक्षण मिशन पर थे। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर चियोस द्वीप के उत्तर में ग्रीक हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। तुर्की जेट को रोकने के लिए दो ग्रीक मिराज 2000 भेजे गए। आखिरकार, एक ग्रीक मिराज और एक तुर्की एफ-16 के बीच हवाई लड़ाई हुई जिसमें ग्रीक जेट ने कथित तौर पर आर.550 मैजिक-2 मिसाइल से तुर्की के विमान पर हमला किया।

कतर में मिराज ने शानदार प्रदर्शन किया है

भारतीय वायु सेना अपने इस भरोसेमंद लड़ाकू विमान की तारीफ करती रही है। एयर मार्शल आर नांबियार (रिटायर्ड) ने कारगिल युद्ध के दौरान मिराज 2000 से उड़ानें भरी थीं। उन्होंने 2019 में कहा था कि विमान का शामिल होना सटीकता और मारक क्षमता के मामले में भारतीय वायु सेना के लिए एक गेम चेंजर था। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध हो या बालाकोट एयर स्ट्राइक, मिराज 2000 ने देश को हमेशा निर्णायक जीत दिलाई है। भारत ही नहीं, मिराज-2000 के साथ फ्रांस को भी सफलता मिली है। इस विमान ने मिस्र, ग्रीस, ताइवान, पेरू, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील और कतर में शानदार प्रदर्शन किया है।

अभ्यास में भारी पड़ा था मिराज-2000

ताइवान मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर 2023 में फ्रांसीसी और ताइवानी वायु सेनाओं के बीच ताइवान के हुआलिएन में चियाशान वायु सेना बेस पर संयुक्त अभ्यास हुआ था। इस अभ्यास का उद्देश्य ताइवानी मिराज 2000 और एफ-16 व्ही लड़ाकू पायलटों की हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाना था। इस अभ्यास के आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए क्योंकि चार मिराज-2000 ने 5वें टीएफडब्ल्यू के चार एफ-16व्ही को अभ्यास में काल्पनिक रूप से मार गिराया। इस विमान ने मिस्र, ग्रीस, ताइवान, पेरू, संयुक्त अरब अमीरात, ब्राजील और कतर में शानदार प्रदर्शन किया है।

खबर संक्षेप

दो दिन में नीट-पीजी के लिए नई तिथि

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड अगले दो दिन के भीतर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) के लिए नई तारीख की घोषणा करेगा। नीट-पीजी के लिए तिथि की घोषणा एनबीई द्वारा एक या दो दिन में की जाएगी। प्रधान की यह टिप्पणी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा उन तीन परीक्षाओं के लिए संशोधित तिथियों की घोषणा के एक दिन बाद आई है, जिन्हें रद्द कर दिया गया था। प्रधान ने कहा था कि प्रश्नपत्र डार्कनेट पर लीक हुआ और टेलीग्राम ऐप पर सार्वजनिक हुआ था।

ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में किसी को बहुमत नहीं

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुआ, किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। किसी भी प्रत्याशी को 50 फीसदी मत नहीं मिलने के बाद अब 5 जुलाई को दोबारा वोटिंग होगी। सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले सईद जलीली और मसूद के बीच कड़ा मुकाबला होगा।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की सेनाप्रमुख के रूप में नियुक्ति

सेनाप्रमुख के रूप में आज अपना कार्यभार संभालेंगे लेफ्टिनेट जनरल उपेंद्र द्विवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश के नए सेनाप्रमुख के रूप में रविवार को लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी अपना कार्यभार संभालेंगे। उनकी नियुक्ति जनरल मनोज पांडे की जगह पर की गई है। जो कि तीस जून को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि 30 जून की दोपहर में साउथ ब्लॉक स्थित सेना के मुख्यालय में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी देश के नए सेनाप्रमुख के रूप में अपना दायित्व संभालेंगे। इस दौरान जनरल मनोज पांडे उन्हें सेनाप्रमुख की बैटन सौंपेंगे।

इसके पूर्व में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी राष्ट्रीय समर स्मारक पर जाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और उसके बाद वह रक्षा मंत्रालय के प्रांगण में सैन्य सलामी गारद (गार्ड ऑफ ऑर्नर) का निरीक्षण करेंगे। पूर्व में केंद्र सरकार ने 31 मई को सेवानिवृत्ति से ठीक एक सप्ताह पहले जनरल मनोज पांडे को करीब एक महीने का सेवाविस्तार दे दिया था। सरकार का यह कदम देश में उस वक्त चल रही आम चुनावों की प्रक्रिया के मद्देनजर लिया गया था। वर्तमान में लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सेना में उप सेनाप्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। 1 जुलाई 1964 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 15 दिसंबर 1984 को सेना की जम्मू-कश्मीर राइफल्स में कमीशन हुए थे। वह मध्य प्रदेश के रीवा स्थित सैनिक स्कूल के पूर्व छात्र रहे हैं। सेना में उन्हें करीब चार दशक लंबा अनुभव है। इस दौरान सेना की सबसे चुनौतीपूर्ण मानी जानी वाली जम्मू-कश्मीर स्थित उत्तरी कमांड के कमांडर के रूप में भी जिम्मेदार संभाल चुके हैं। इसके अलावा वह सेना की अलग- अलग कमांड, स्टाफ, इंस्ट्रक्शनल और विदेशी नियुक्तियों में कार्य कर चुके हैं। उप सेनाप्रमुख के पद पर नियुक्ति से पहले लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सेना की उत्तरी कमांड के मुखिया के अलावा सेना के पैदल दस्ते यानी इंफेंट्री के महानिदेशक भी रह चुके हैं। गौरतलब है कि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की सेनाप्रमुख के रूप में नियुक्ति के बाद सशस्त्र सेनाओं में दो प्रमुख ऐसे हो जाएंगे जो कि मूलरूप से मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। इनमें सेनाप्रमुख के अलावा बीते दिनों नौसेनाप्रमुख के रूप में नियुक्त किए गए एडमिरल डी. के त्रिपाठी शामिल हैं।

पूर्वी लद्दाख में एलएसी के करीब डीबीओ में टैंक अभ्यास के दौरान हुआ बड़ा हादसा

नदी में बढ़े जलस्तर के बहाव की चपेट में आने से पांच जवान शहीद, रक्षामंत्री ने दुख जताया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ) क्षेत्र में हुए टैंक युद्धाभ्यास से लौटते वक्त श्योक नदी के अचानक बढ़े जलस्तर की चपेट में आकर एक टी-72 टैंक में सवार पांच जवान शहीद हो गए। इनके शव बरामद कर लिए गए हैं।

शहीदों में रिसालदार एमआरके रेड्डी, हवलदार सुभान खान, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम और हवलदार सदरबोनिया नागराजू शामिल हैं। जल्द ही पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ सभी शहीद सैनिकों की पार्थिव देह अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों को सौंप दी जाएगी। सेना ने मामले की विस्तृत जांच यानी कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) का आदेश दे दिया है। सेना की लेह-लद्दाख में तैनात 14वीं कोर के रक्षा प्रवक्ता ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस घटना पर दुख जताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। साथ ही कहा कि इस हादसे से मुझे गहरा दुख हुआ है। हम अपने वीर सैनिकों द्वारा राष्ट्र के लिए दी गई अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में राष्ट्र उनके साथ खड़ा है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी घटना को लेकर शोक व्यक्त किया है।

एमआरके रेड्डी | सुभान खान | भूपेंद्र नेगी | अकदुम तैयबम | नागराजू

एलएसी विवाद के बीच हुआ हादसा

यहां बता दें कि एलएसी के करीब यह हादसा एक ऐसे समय में हुआ है, जब इलाके में भारत और चीन की सेनाओं के बीच बीते करीब चार वर्ष से अधिक समय से विवाद जारी है। तनाव से जुड़े कुछ इलाकों में दोनों देशों की सेनाएं अभी भी आमने-सामने की आक्रामक मुद्रा में तैनात हैं।

श्योक के तेज बहाव की चपेट में आया टैंक

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि 28 जून की रात एक बजे डीबीओ क्षेत्र में एक नियमित युद्धाभ्यास से लौटते वक्त पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा के पास श्योक नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण सेना का एक टी-72 टैंक फंस गया था। इसके बाद बचाव दल घटनास्थल पर ▶▶ शेष पेज 5 पर

रात में जवानों को जलस्तर का पता नहीं चला

वहीं, सूत्रों ने बताया कि हादसे से जुड़े टी-72 टैंक में पांच जवान सवार थे। आमतौर पर एक टैंक में कुल तीन जवान (एक कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर) होते हैं। एलएसी के करीब स्थित डीबीओ समुद्रतल से करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। अत्यधिक ऊंचाई की वजह से यहां साल के अधिकतर समय तापमान बेहद कम और खासकर रात के समय में शून्य के भी नीचे चला जाता है। ऐसे में इलाके में तैनात टी-72 टैंकों से लेकर अन्य टैंकों, हथियारों और सैन्य उपकरणों में भरा हुआ डीजल जमने की वजह से खराब न हो जाए। इसके लिए रोजाना टैंकों की प्रत्येक यूनिट (एक यूनिट में कुल करीब 45 टैंक होते हैं) में समूह बनाकर (एक समूह में करीब पांच से सात टैंक) युद्धाभ्यास किया जाता है। ऐसा ही एक युद्धाभ्यास 28 जून को भी हुआ था। जिसमें करीब पांच से सात टी-72 टैंक शामिल हुए थे। लेकिन अभ्यास से ▶▶ शेष पेज 5 पर

रूसी मूल के हैं टी-72 टैंक:

टी-72 टैंक को वर्ष 1960 में तत्कालीन सोवियत संघ (यूएसएसआर) ने बनाया था। 1970 के आसपास इन्हें भारत ने यूएसएसआर से खरीदा था।

डॉक्टरों ने गलती मानने से किया इनकार

डॉक्टर ने बच्चे के पैर की जगह कर दी प्राइवेट पार्ट की सर्जरी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही उजागर हुई है। यहां एक कपल अपने 9 साल के बेटे के पैर का इलाज करवाने पहुंचे थे। हालांकि, डॉक्टरों ने पैर की जगह उसके प्राइवेट पार्ट का ऑपरेशन कर दिया। कपल ने इसकी शिकायत की तो मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि डॉक्टरों ने कुछ भी गलत नहीं किया है। बच्चे के प्राइवेट पार्ट में दिक्कत थी। इसलिए सर्जरी की गई है। डॉ. ने अपनी गलती मानने से इनकार कर दिया है।

हो सकता है कि डॉक्टर ऑपरेशन के बारे में माता-पिता को बताना भूल गए होंगे या उन्होंने गलती से किसी दूसरे मरीज के रिश्तेदार को बता दिया होगा।

लाल सागर में हूती विद्रोहियों का जहाज पर हमला

हूती विद्रोहियों ने दागी 5 मिसाइल अमेरिका के हटते ही बढ़ गए हमले

एजेंसी ▶▶ अमीरात

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर शुक्रवार को मिसाइल हमले किए। ब्रिटेन की सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही इस अहम समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि यमन में विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि इन हमलों मे पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने शुक्रवार रात दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है ।

युद्ध खत्म करने की मांग

विद्रोहियों अनुसार, 30 मई को हुए हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी और 42 अन्य घायल हुए थे। हूती विद्रोहियों का हालांकि कहना है कि वह इजराइल, अमेरिका या ब्रिटेन के पोतों को ही निशाना बनाता है, लेकिन ऐसे कई पोतों पर हमला किया गया है जिनका इजराइल-हमास युद्ध से कोई लेना-देना नहीं था। विद्रोही इजराइल से गाजा में युद्ध की समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक इजरायल के हमले नहीं रुकते तब तक वह हमले जारी रखेंगे।

शादी के लिए पीएम को न्यौता

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार शादी रचाने जा रही हैं। अपनी शादी में शामिल होने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को आमंत्रित किया है।

भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस शिवालिक ले रहा है अभ्यास में भाग

पर्लहार्बर पहुंचा नौसेना का शिवालिक युद्धपोत, रिमपैक युद्धाभ्यास में करता भारत का प्रतिनिधित्व

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का स्वदेशी गाइडेड मिसाइल स्टेल्थ फ्रीगेट आईएनएस शिवालिक बीते गुरुवार को अमेरिका के पर्ल-हार्बर बंदरगाह पर पहुंच गया था। यहां यह बहुआयामी रिम ऑफ पैसेफिक-2024 (रिमपैक) युद्धाभ्यास में भाग ले रहा है। यह युद्धभ्यास 27 जून से 1 अगस्त तक चलेगा। इसमें दुनिया की कुल करीब 29 देशों की नौसेनाएं भाग ले रही हैं। मूल रूप से यह युद्धभ्यास द्विवार्षिक है। इस वर्ष इसका 29वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। भारतीय नौसेना ने एक बयान में बताया कि शिवालिक युद्धपोत दक्षिण चीन सागर और उत्तरी प्रशांत महासागर की नियमित तैनाती पर था। इस बीच इसकी रिमपैक युद्धाभ्यास के लिए रवानगी की गई थी।

फिलहाल युद्धाभ्यास का बंदरगाह चरण चल रहा है। इसकी शुरुआत 27 जून को हुई थी और समापन 7 जुलाई को होगी। इसके बाद समुद्री चरण होगा जिसे तीन उप चरणों में विभाजित किया गया है। युद्धभ्यास में 29 देशों के 40 सतही जहाज, 14 देशों की थल सेनाएं, 150 से अधिक विमान और 25 हजार सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं।

अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व में 29 देश ले रहे भाग

कार्यक्रम का समापन थिएटर स्तर के बड़े बल सामरिक अभ्यास के साथ होगा। इस अभ्यास में विमान वाहक युद्ध समूह, पनडुब्बियां, समुद्री टोही विमान, मानव रहित हवाई वाहन, दूर से संचालित सतही जहाज और बहुराष्ट्रीय नौसेनाओं के विशेष बलों के साथ संयुक्त संचालन सहित उभयचर बल लैंडिंग ऑपरेशन भी भाग लेंगे। इस अभ्यास का उद्देश्य मित्र देशों की नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ाना और विश्वास का निर्माण करना है।

सरकार ने दी मंजूरी

एनडीआरएफ जवानों को 40 प्रतिशत की दर से मिलेगा जोखिम और कठिनाई भत्ता

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को घोषणा की कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) बचावकर्मियों द्वारा पूरे किये जाने वाले कठिन अभियानों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए 40 प्रतिशत जोखिम और कठिनाई भत्ते को मंजूरी दी है। उन्होंने एनडीआरएफ के 35 सदस्यीय अभियान दल का स्वागत करते हुए यह बात कही। इस दल ने हाल में हिमाचल प्रदेश में 21,625 फुट ऊंची मणिरंग चोटी पर चढ़ाई की थी। मणिरंग चोटी हिमाचल प्रदेश के किन्नौर और स्पीति जिलों की सीमा पर स्थित है।

शाह ने दी खुशखबरी

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा 'मैं एनडीआरएफ को सफल पर्वतारोही अभियान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान बल और बल में शामिल जवानों की मजबूती को बढ़ाते हैं। साथ ही ये अभियान लक्ष्यों को हासिल करने और जीत की आदत बनाने में भी मदद करते हैं। बचाव कर्मियों की इन्हीं आदतों से कोई भी बल महान बनता है।' अमित शाह ने कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ जवानों के जोखिम और कठिनाई भत्ते को बढ़ाने की मांग की जा रही थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109